माघ कृष्ण पक्ष -12, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 192 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
15 जनवरी 2026 गुरुवार

आज का मौसम
26.8 अधिकतम
8.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

महाराष्ट्र निकाय चुनाव की वोटिंग जारी, लगे आरोप

मुंबई। महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 नगर निगमों के लिए मतदान जारी है। बीएमसी के 227 वार्डों के लिए वोट डाले जा रहे हैं। कल मतगणना होगी और शाम तक नतीजे आने की संभावना है। चुनाव के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सुबह 11.30 बजे तक 12.50 परसेंट वोटिंग हुई है। मनसे चीफ राज ठाकरे ने वोट डालने के बाद कहा कि पहले जो इंक इस्तेमाल होती थी, उसे एक नए पेन से बदला जा रहा है। अगर आप हैंड सैनिटाइजर लगाते हैं, तो इंक गायब हो जाती है। यह दिखाता है कि सरकार सत्ता में बने रहने के लिए कुछ भी कर सकती है।

दूषित खाना खाने से छात्र की मौत, 13 बच्चे बीमार

जबलपुर। कुंडम के हरदुली आदिवासी छात्रावास में अमानक भोजन परोसा गया था। जिसके कारण छात्रावासी छात्रों का स्वास्थ्य खराब हुआ और एक छात्र की मौत हो गई। यह जानकारी छात्र राजाराम धुर्वे (14) की मौत के बाद की गई जांच में सामने आई है। वह कक्षा नवमीं छात्र था, छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहा था। वहीं 13 अन्य बच्चे बीमार हो गए हैं। छानबीन में छात्रों को घटिया खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराए जाने में आरंभिक रूप से छात्रावास अधीक्षक की लापरवाही मिली है।

विजयवाड़ा से तिरुपति जा रही मालगाड़ी पटरी से उतरी

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले से ट्रेन हादसे की एक खबर सामने आ रही है जहां एक मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरियों से नीचे उतर गए। इस खबर की जानकारी मिलने के तुरंत बाद रेलवे के अधिकारी और स्टाफ मौके पर पहुंचे। आपको बता दें कि मालगाड़ी के पटरी से उतरने की वजह से रेलवे ट्रैक डैमेज हो गया है जिसे अब ठीक करने की कोशिश की जा रही हैं। पटरी के डैमेज होने के कारण उस रूट पर आवाजाही करने वाली कुछ ट्रेनों में रुकावट आने की संभावना जताई जा रही है।

सिलेंडर ब्लास्ट के बाद घर में आग, 6 लोगों की मौत

सिरमौर। हिमाचल के जिला सिरमौर के श्रीरेणुकाजी विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाली धनडूरी पंचायत के तलंगाना गांव में देर रात 3 बजे आग लगने से एक ही परिवार के 6 लोगों की जलकर मौत हो गई है। मरने वालों में कविता देवी पत्नी लोकेंद्र सिंह, सारिका 9 साल, कृतिका 3 साल, तृप्ता देवी 44 साल तथा नरेश कुमार शामिल हैं। सिलेंडर ब्लास्ट के बाद भीषण आग लगी थी।

मुरैना में ट्रक-स्कूल बस में टक्कर, 6 बच्चे घायल

मुरैना। मुरैना जिले में एक तेज रफ्तार ट्रक ने बच्चों से भरी स्कूल बस को टक्कर मार दी। इस हादसे में बस के ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बस में सवार 6 से ज्यादा बच्चे घायल हो गए। घायल बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। बस अल्ट्रोनियस स्कूल की थी जो गलेथा गांव से बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। जानकारी के मुताबिक हादसा सुबह नेशनल हाईवे पर नीवड़ी गांव के पास हुआ। यहां मुरैना की तरफ से जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बस को सामने से टक्कर मार दी।

आज का कार्टून

'इफेक्टिव डिलीवरी ऑफ पर्लियामेंट्री डेमोक्रेसी' कॉन्फ्रेंस में बोले पीएम मोदी

दुनिया कहती थी भारत में लोकतंत्र नहीं टिकेगा, हमने खुद को साबित किया

नईदिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 वीं कॉमनवेल्थ स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। इस कॉन्फ्रेंस में 42 देशों के 61 स्पीकर्स और ऑफिसर्स शामिल हैं। संविधान सदन में आयोजित इस समारोह में प्रधानमंत्री ने कहा कि विविधता हमारे लोकतंत्र की ताकत है। दुनिया कहती थी कि भारत में लोकतंत्र टिक नहीं पाएगा, भारत ने दुनिया के सामने खुद को साबित किया। लोक कल्याण की भावना हमारे लिए सबसे अहम है। आज भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। पीएम मोदी ने कहा कि यह चौथा अवसर है, जब कॉमनवेल्थ स्पीकर्स और प्रिसाइडिंग ऑफिसर्स की कॉन्फ्रेंस भारत में हो रही है। इस बार इस कॉन्फ्रेंस का मुख्य विषय इफेक्टिव डिलीवरी ऑफ पर्लियामेंट्री डेमोक्रेसी है। भारत ने डाइवर्सिटी को डेमोक्रेसी की ताकत बना दिया। भारत ने साबित किया कि डमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशन और डेमोक्रेटिक प्रॉसेस, डेमोक्रेसी को स्टेबिलिटी, स्पीड और स्केल तीनों देते हैं।

हम सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था

संविधान सदन में कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत दुनिया की फास्टेस्ट ग्रोइंग मेजर इकोनॉमी है। आज भारत में यूपीआई दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट सिस्टम है और दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन प्रोड्यूसर है। हम दुनिया के नंबर-2 स्टील प्रोड्यूसर है। दुनिया का तीसरा बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम, तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट और

चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। हमारा मेट्रो रेल नेटवर्क अब दुनिया में तीसरे नंबर पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिस स्थान पर आप सब बैठे हैं वो भारत के लोकतांत्रिक सफर का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। गुलामी के आखिरी सालों में जब भारत की आजादी तय हो चुकी थी उस समय इसी सेंट्रल हॉल में भारत के संविधान की रचना के लिए संविधान सभा की बैठकें हुई थी। भारत की आजादी के बाद 75 सालों तक ये इमारत भारत की संसद रही। इसी हॉल में भारत के भविष्य से जुड़े अनेक निर्णय और चर्चाएं हुईं। लोकतंत्र को समर्पित इस स्थान को भारत ने संविधान सदन का नाम दिया है।

विविधता हमारे लोकतंत्र की ताकत

इस साल की थीम संसदीय लोकतंत्र की प्रभावी डिलीवरी है। आज के ग्लोबल संदर्भ में ये बहुत प्रासंगिक है। जब भारत आजाद हुआ था, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बात पर गंभीर संदेह था कि इतनी ज्यादा विविधता वाले देश में लोकतंत्र टिक पाएगा या नहीं। भारत ने इन आशंकाओं को गलत साबित किया और अपनी विविधता को अपने लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत में बदल दिया। पीएम मोदी ने आगे कहा कि एक और डर यह था कि अगर किसी तरह लोकतंत्र बच भी गया, तो भारत विकास के मामले में कुछ नहीं कर पाएगा। भारत में डेमोक्रेसी का अर्थ, लास्ट माइल डिलीवरी है। हमने लोक कल्याण की भावना से हर व्यक्ति के लिए बिना किसी भेदभाव से काम कर रहे हैं। इसी लोक कल्याण की भावना के कारण बीते कुछ वर्षों में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। भारत हर ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर ग्लोबर साउथ के हितों को पूरी मजबूती से उठा रहा है। अपनी जी 20 अध्यक्षता के दौरान भी भारत ने ग्लोबल साउथ की चिंताओं को वैश्विक एजेंडे के केंद्र में रखा है। इस मौके पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में लोकतांत्रिक संवाद, सहयोग और साझा मूल्यों को साझा करने के उद्देश्य से आज हम यहां एकत्र हुए हैं। जहां हम संसदीय लोकतंत्र की प्रथाओं पहलों और अनुभवों को साझा करेंगे। हमारी संसद की 7 दशकों से अधिक की यात्रा में जनकल्याण के नीतियों के निर्माण से लोकतंत्र को सशक्त किया है।

आई-पैक छापे पर सुनवाई

हस्तक्षेप करना ममता की आदत: तुषार मेहता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पश्चिम बंगाल में आई-पैक पर हुई ईडी छापों को लेकर कई गंभीर बिंदु उठाए। उन्होंने कहा कि यह घटनाक्रम चौंकाने वाला पैटर्न दर्शाता है। सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि अतीत में भी जब कभी वैधानिक संस्थाओं ने अपना अधिकार लागू किया, तब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हस्तक्षेप करती रही हैं। मेहता ने जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और विपुल पंचोली की पीठ को बताया कि इस तरह के हस्तक्षेप से ऐसी घटनाओं को बढ़ावा मिलेगा और केंद्रीय बलों का मनोबल टूटेगा।

13 साल की लड़की से पड़ोसी ने किया रेप

भद्रक। ओडिशा के भद्रक जिले में 13 साल की नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने शर्मसार कर देने वाले इस मामले में लड़की के 55 साल के पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी का नाम बिघिना जेना है, जो 55 साल का है और पेशे से किसान है। घटना का पता तब चला जब पीड़ित लड़की तबीयत बिगड़ी और वह स्कूल में बेहोश हो गई।

यात्रियों के लिए जारी की गाइड लाइन

ईरान ने बंद किया एयरस्पेस एअर इंडिया ने बदला रास्ता

नईदिल्ली, एजेंसी

विरोध प्रदर्शनों और तनाव के चलते ईरान में एयरस्पेस बंद कर दिया गया है। जिसके बाद एअर इंडिया ने अपनी उड़ानों के रूट में बदलाव किया है। एअर इंडिया ने एक बयान जारी कर बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए उसके विमान ने ईरान की बजाय अन्य वैकल्पिक रूट का इस्तेमाल करेंगे। जिसके चलते कई उड़ानों के रूट बदले गए हैं। जिन उड़ानों के रूट बदलना संभव नहीं हो पाया है, उन्हें रद्द कर दिया गया है। यही वजह है कि एअर इंडिया ने यात्रियों के लिए गाइडलाइन जारी कर कहा है, 'यात्री एयरपोर्ट पहुंचने से

पहले हमारी वेबसाइट पर अपनी उड़ानों का स्टेटस चेक कर लें, ताकि उन्हें परेशान न होना पड़े।' ईरान ने आज सुबह बिना किसी स्पष्टीकरण के कमर्शियल विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद करने का आदेश और बढ़ा दिया, क्योंकि देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर तेहरान की कड़ी कार्रवाई को लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ ईरान का तनाव बना हुआ है।

ट्रम्प का दावा- प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुकीं

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकियों के बाद ईरान प्रदर्शनकारियों को फांसी देने के फैसले से पीछे हट गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने कहा कि ईरान की ओर से लोगों को फांसी देने की कोई योजना नहीं है। विदेश मंत्री ने फॉक्स न्यूज के 'स्पेशल रिपोर्ट विद ब्रेट बेयर' कार्यक्रम में दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'फांसी देने की कोई योजना नहीं है। फांसी का तो सवाल ही नहीं उठता।' ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुक गई हैं। इससे पहले ईरान सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर तेज ट्रायल और जल्दी फांसी देने का ऐलान किया था। ईरान 26 साल के प्रदर्शनकारी इरफान सुलतानी को फांसी देने वाला था। इस फैसले के बाद ट्रम्प ने ईरान को कड़ा जवाब देने की धमकी दी थी।

जन केंद्रित शासन के लिए एआई का उपयोग: सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से अकादमिक और उद्योग समन्वय को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ प्रदेश सरकार एआई को नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और कुशल शासन की आधारशिला के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री आज यहां विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इंडिया एआई मिशन के सहयोग से आयोजित 'मध्य प्रदेश रीजनल एआई इम्पैक्ट कांफ्रेंस-2026' को संबोधित कर रहे थे। साथ ही उन्होंने एआई आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सक्षम शासन और आर्थिक परिवर्तन के लिए

एआई आधारित प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद जानकारी लेते सीएम।

मध्य प्रदेश के रणनीतिक विकास पर एक रोडमैप भी प्रस्तुत किया गया। कांफ्रेंस को केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अपर सचिव एवं इंडिया एआई के सीईओ अभिषेक सिंह और आईआईटी इंदौर के निदेशक सुहास एस. जोशी ने भी संबोधित किया। प्रदेश की स्पेसटेक नीति लांच की गई। एमपीएसईडीसी के महाप्रबंधक आशीष वशिष्ठ ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एमपीएसईडीसी प्रदेश में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए नोडल एजेंसी है। हम सभी विभागों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बच्चों के कुपोषण का डेटा जुटाने, फसलों के नुकसान का पता लगाने और गिरदावरी और लैंड रजिस्ट्रेशन में भी एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है।

राहुल गांधी हिंदू नहीं, उन्हें राम मंदिर में प्रवेश न करने दिया जाए: शंकराचार्य

अयोध्या. एजेंसी

कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के अयोध्या जाकर दर्शन करने की खबर आने के बाद से राजनीति गलियारों से लेकर के साधु-संतों के बीच चर्चा हो रही है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हिंदू नहीं है उनको राम मंदिर में नहीं घुसने दिया जाए। बता दें शंकराचार्य के इस बयान का समर्थन अयोध्या के साधू-संत भी कर रहे हैं। शंकराचार्य ने कहा कि राहुल गांधी अगर अयोध्या पहुंच जाएं तो भी उन्हें मंदिर में नहीं घुसने देना चाहिए, क्योंकि वो हिंदू नहीं हैं। मैं ट्रस्ट के लोगों से ये अपील करता हूं। मैं मंदिर समिति से

अपील करता हूं कि उनको मंदिर के भीतर ना जाने दिया जाए। हिंदू धर्म को गाली देने वाले राहुल किसी भी तरीके से फिट नहीं हैं कि वो मंदिर के भीतर जाएं। वहीं मॉडल हर्षा रिछारिया को लेकर भी शंकराचार्य भक्तेश्वरानंद की ओर से भी एक बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि चलो अब हर्षा रिछारिया को समझ तो आया कि ये फील्ड ग्लैमर का नहीं है, संत बनना त्याग करना होता है, यहां आकर अगर कोई पैसा कमाना चाहता है, कोई ग्लैमर पाना चाहता है, फेक जटाएं लगाकर अगर यहां आकर रील बनाना चाहता है, तो उसके लिए ये फील्ड नहीं है, ये इस बात को समझ जाएं।

प्रयागराज में 54 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया

प्रयागराज. एजेंसी

देशभर के कई हिस्सों में आज दूसरे दिन भी मकर संक्रांति मनाई जा रही है। संक्रांति को लेकर गंगा, यमुना और नर्मदा जैसी प्रमुख नदियों के तटों पर लाखों लोग सुबह से डुबकी लगा चुके हैं। प्रयागराज माघ मेले में आज मकर संक्रांति का स्नान पर्व है। संगम में दोपहर 12 बजे तक 54 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। आज करीब डेढ़ करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। यूपी के वाराणसी के गंगा घाट और पश्चिम बंगाल के गंगासागर में स्नान के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी है।

मेट्रो एंकर

वियतनाम में हुई रॉ पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में गया की पूनम मिश्रा को मिले दो गोल्ड मैडल

बिहार की गृहिणी बनीं वर्ल्ड चैम्पियन, मिला 'स्ट्रॉन्गेस्ट वुमेन' का खिताब

पटना, एजेंसी

गया जिले के आमस ब्लॉक के हरिदासपुर गांव निवासी गोविंद मिश्रा उर्फ कुकू बाबा की बेटी पूनम मिश्रा ने वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीतकर राज्य के साथ देश का नाम रौशन किया है। पूनम ने 12 से 14 जनवरी तक वियतनाम में आयोजित वर्ल्ड रॉ पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा का डंका बजाते हुए खिताब अपने नाम किया। यह खिताब उन्होंने एक दर्जन देशों के खिलाड़ियों को परास्त कर हासिल किया।

वर्ल्ड रॉ पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूनम ने देश के लिए दो गोल्ड

मेडल जीते हैं। इसके साथ ही उन्होंने 'वर्ल्ड स्ट्रॉन्गेस्ट वुमेन' का खिताब भी अपने नाम किया। वियतनाम में आयोजित प्रतियोगिता में उन्होंने 72 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 380 किलोग्राम वजन उठाया और विश्व चैंपियन बनीं। इस वर्ग में चीन की खिलाड़ी दूसरे और श्रीलंका की खिलाड़ी तीसरे स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में 12 देशों की 25 महिला पावरलिफ्टरों ने हिस्सा लिया था। इस सफलता पर पूनम कहती हैं कि वर्ल्ड लेवल खिताब जितना उनका सपना था। इसके लिए जी तोड़ मेहनत करती रही। अलग - अलग समय पर हाथ में छाले, पैर में मोच, शरीर में जोड़ों के दर्द का सामना किया लेकिन हार नहीं मानी और आखिर मुकाम तक पहुंच कर ही दम लिया। पूनम के कंधे पर घर की कई जिम्मेदारियां हैं लेकिन सपनों की उड़ान जारी है। वह आने वाले समय के लिए लिए वह खिलाड़ी भी तैयार कर रही हैं।

पूनम मिश्रा इससे पहले राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर 30 गोल्ड मेडल और कई पुरस्कार जीत चुकी हैं। उनकी इस उपलब्धि से गया तथा रांची समेत पूरे बिहार-झारखंड में पावरलिफ्टिंग से जुड़े खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों में उत्साह का माहौल है। एक गृहिणी से वर्ल्ड चैंपियन बनने तक का उनका सफर लाखों महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गया है। 2005 में पूनम की शादी झारखंड के रांची के रहने वाले रमाकांत मिश्रा से हुई।

निखार रही हैं बच्चों की प्रतिभा

उनके पति पेशे से बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कंपनी में मैनेजर के पद पर हैं। उनकी शुरुआती पढ़ाई गया जिले के चौगांई से हुई थी। शादी के बाद ससुराल मे इन्होंने इंटर तक की पढ़ाई पूरी की। उन्हें वर्ष 2024 में पावरलिफ्टिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा स्ट्रांगेस्ट वूमेन ऑफ एशिया का खिताब दिया गया था, लेकिन पूनम अब स्ट्रांगेस्ट वूमेन ऑफ वर्ल्ड का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। उन्होंने पावर लिफ्टिंग के 84 केजी बॉडीवेट में रिकॉर्ड 350 केजी का वजन उठाया है। वे एक अंतरराष्ट्रीय कोच भी हैं। उनसे सीख कर कई बच्चे आज नेशनल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं।

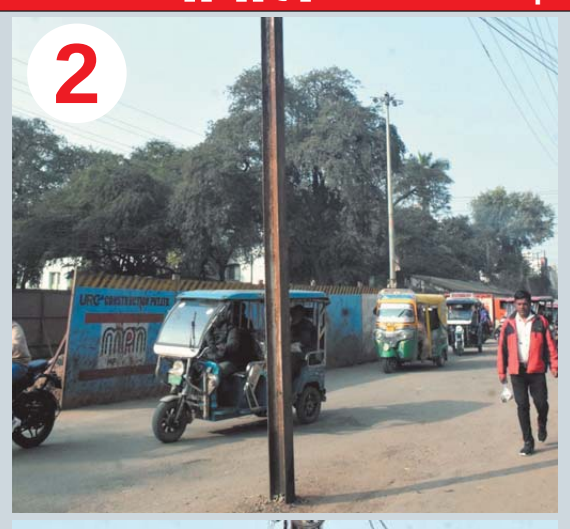

डीआईजी बंगला-बैरसिया रोड पर सड़क के बीच खड़े बिजली के खंभे

भोपाल, दोपहर मेट्रो। डीआईजी बंगला-बैरसिया रोड पर सड़क के बीचोबीच खड़े बिजली के खंभे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं। तेज रफ्तार वाहनों के बीच अचानक सामने आ जाने वाले ये खंभे किसी भी समय बड़े हादसे को न्योता दे सकते हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग और प्रशासन इस गंभीर समस्या पर आंख मूंदे बैठे हैं। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि रात के समय और भारी ट्रैफिक के दौरान इन खंभों को देख पाना मुश्किल हो जाता है। कई बार दो पहिया वाहन चालक और ऑटो चालक संतुलन खोते-खोते बचे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह मार्ग शहर का व्यस्त और प्रमुख रोड है, जहां दिनभर भारी वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद न तो खंभों को हटाया गया है और न ही कोई चेतावनी संकेत या बैरिकेडिंग लगाई गई है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क के बीच खड़े खंभों को तुरंत हटाकर किनारे शिफ्ट किया जाए, ताकि किसी निर्दोष की जान जाने से पहले इस गंभीर लापरवाही पर रोक लगाई जा सके।

वर्ल्ड क्लास स्टेशन पर सुविधाएं ठप, सीढ़ियां चढ़ने को मजबूर बुजुर्ग और महिलाएं

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की चमक दिखावे की, बंद पड़े हैं एस्केलेटर, यात्री हो रहे परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी का रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, जिसे देश के पहले विश्वस्तरीय और अत्याधुनिक पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल स्टेशन के रूप में प्रचारित किया गया, आज अपनी ही चमक खोता नजर आ रहा है। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार इस स्टेशन की बनावट और डिजिटल सुविधाएं पहली बार आने वाले यात्रियों को भले ही आकर्षित करती हों, लेकिन यहां नियमित सफर करने वाले यात्रियों के लिए जमीनी हकीकत काफी दर्दनाक है। अत्याधुनिक डिजाइन और डिजिटल ढांचे के दावों के बीच स्टेशन का प्रबंधन मूलभूत सुविधाओं को सुचारू रखने में नाकाम साबित हो रहा है।

महिलाओं और बुजुर्गों की बढ़ी मुश्किलें

इन अव्यवस्थाओं का सबसे गंभीर असर अकेली यात्रा करने वाली महिलाओं, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। अक्सर देखा जाता है कि महिलाएं छोटे बच्चों को गोद में लिए, एक हाथ में भारी सामान और दूसरे हाथ से बच्चे को संभालते हुए सीढ़ियां चढ़ती हैं। बुजुर्गों के लिए बंद एस्केलेटर किसी बड़ी बाधा से कम नहीं है। यात्रियों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद प्रबंधन द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है और न ही इन समस्याओं का कोई स्थायी समाधान निकाला जा रहा है।

तकनीक पर लगा 'ताला'

स्टेशन पर आवाजाही करने वाले हजारों यात्रियों की सबसे बड़ी शिकायत यहां लगे एस्केलेटर और डिजिटल डिस्प्ले स्क्रीन को लेकर है। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन पर अक्सर एस्केलेटर बंद रहते हैं, जिसके कारण उन्हें भारी-भरकम सामान लेकर सीढ़ियों से चढ़ने-उतरने को मजबूर होना पड़ता है। इतना ही नहीं, ट्रेनों की आवाजाही और कोच पोजीशन बताने वाली डिजिटल स्क्रीन भी कई बार ठप रहती हैं। इस तकनीकी खराबी की वजह से यात्रियों को सही जानकारी नहीं मिल पाती और वे प्लेटफार्मों के बीच भटकने को मजबूर होते हैं।

भव्यता के जगह सुविधा पर ध्यान दें

स्टेशन की भव्यता को लेकर यात्रियों का कहना है कि केवल ऊंची इमारतें और आधुनिक डिजाइन किसी स्टेशन की पहचान नहीं हो सकती। असली पहचान यात्रियों को मिलने वाली सुचारू सुविधाओं से बनती है। जिस स्टेशन को देश के लिए एक मॉडल के रूप में पेश किया गया था, वहां मूलभूत सुविधाओं का बार-बार ठप होना प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यात्रियों ने मांग की है कि स्टेशन प्रबंधन नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था करे ताकि एस्केलेटर, लिफ्ट और डिजिटल स्क्रीन जैसी जरूरी सुविधाएं 24 घंटे चालू रहें और आम जनता को परेशानी न हो।

खितवास में लोगों ने दी चेतावनी

ग्रामीण बोले- प्रिंसिपल का ट्रांसफर नहीं तो स्कूल में लगा देंगे ताला

कलेक्टर-जिला पंचायत सीईओ को पत्र भी लिखा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के खितवास स्थित हाईस्कूल में प्रिंसिपल के ट्रांसफर को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन की चेतावनी दी है। इसे लेकर उन्होंने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह और जिपं सीईओ इला तिवारी को पत्र भी लिखा है। कहा कि 7 दिन के अंदर प्रिंसिपल का ट्रांसफर नहीं हुआ तो स्कूल में ताला लगा देंगे।

दरअसल, तीन दिन पहले शाला प्रबंध समिति और ग्रामीणों ने स्कूल का दौरा किया था। इस दौरान स्कूल की प्राचार्य संगीता देशपांडे अनुपस्थित मिली थीं। इस पर समिति और ग्रामीणों ने उपस्थिति रजिस्टर भी देखा, जिसमें प्राचार्य की लगातार अनुपस्थित पाई गई। इस पर समिति ने पंचनामा भी बनाया।

पंचनामे में दर्शाया- सरपंच से भी अच्छे से बात नहीं की

पंचनामे की कॉपी कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को भी दी गई है। इसमें लिखा कि अनुपस्थिति पर सरपंच ने प्राचार्य से मोबाइल पर बात की, लेकिन उनका रवैया संतोषजनक नहीं था। पंचनामे में बताया कि स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी ग्रामीणों को नहीं दी जाती है। वे तीन साल से स्कूल में पदस्थ हैं।

7 दिन में ट्रांसफर करने को कहा

पंचनामे की कॉपी कलेक्टर-सीईओ को भेजी गई। इसमें कहा कि प्राचार्य का तबादला 7 दिन के अंदर कर दिया जाए। ऐसा नहीं होता है तो सभी ग्रामीण और समिति सदस्य स्कूल में ताला लगा देंगे।

एक माह में 600 से अधिक पहुंचे अस्पताल

बदलता मौसम दे रहा मर्ज, ठंड का दिल-दिमाग पर हमला

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ठंड हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों पर भारी पड़ रही है। बीते 12 दिनों में ही शहर में इनसे 20 से अधिक मरीजों की मौत हुई है। पिछले एक महीने में केवल सरकारी अस्पतालों में ही ऐसी 56 मौतें दर्ज की गई हैं।

एम्स, हमीदिया और निजी अस्पतालों के पिछले एक महीने के आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में हार्ट अटैक के 406 से अधिक मरीज अस्पतालों में भर्ती हुए, जबकि 220 से ज्यादा मरीजों को ब्रेन स्ट्रोक के कारण इलाज की जरूरत पड़ी। हमीदिया के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. आयुष दुबे के अनुसार, सामान्य दिनों में रोज औसतन तीन ब्रेन स्ट्रोक के मरीज आते थे, लेकिन ठंड बढ़ने के बाद यह संख्या चार से पांच और कई दिनों में छह तक पहुंच रही है।

ब्रेन स्ट्रोक में साढ़े 4 घंटे अहम: डॉ. दुबे बताते हैं कि सर्दी में खून का गाढ़ापन बढ़ने से नसों में थक्के बनने की आशंका बढ़ जाती है। जब यह थक्का दिमाग की नसों में फंस जाता है तो ब्रेन स्ट्रोक होता है। कई मामलों में इसके लक्षण अचानक सामने आते हैं। ब्रेन स्ट्रोक में 4.5 घंटे का समय 'गोल्डन आवर' माना जाता है। इस दौरान इलाज मिल जाए तो मरीज की जान बचाई जा सकती है।

30-50 वालों में कार्डियेक अरेस्ट बढ़े: एम्स भोपाल के कार्डियोलॉजी के एसोसिएट प्रो. डॉ. भूषण शाह का कहना है कि हर दिन छह से 7 मरीज हार्ट अटैक केस आ रहे हैं, जबकि सामान्य तौर पर 2-3 आते हैं। इनमें 30-50 उम्र वाले भी हैं।

तापमान में एक डिग्री की गिरावट से बढ़ जाते हैं 1.6 फीसदी हार्ट के मरीज

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में 2023 में छपी एक स्टडी के मुताबिक तापमान में सिर्फ एक डिग्री की गिरावट आती है, तो हार्ट के मरीजों में 1.6 फीसदी का इजाफा होता है। यही नहीं, इसके लक्षण 1.2 फीसदी बढ़ जाते हैं। ऐसे में ठंड में लोगों में हार्ट की बीमरी जैसे लक्षण कुछ बढ़ जाते हैं, जैसे- छाती में जकड़न या सांस लेने में असहजता। यह हार्ट अटैक के लक्षणों जैसे ही महसूस होते हैं। बस फर्क यह है कि ज्यादातर लोग खराब जीवनशैली वाले ही है और रूटीन चेकअप नहीं कराते हैं।

बीते माह में गुड्स ट्रैफिक से 102 करोड़ 5 लाख की आय अर्जित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेल में भोपाल सहित तीनों मण्डलों के माल यातायात में निरंतर वृद्धि हो रही है। महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पश्चिम मध्य रेल ने दिसम्बर माह में 572 करोड़ 57 लाख रूपये माल यातायात से ऑरिजनेटिंग राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की इसी माह में 489 करोड़ 1 लाख रूपये की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है तथा रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य 532 करोड़ 05 लाख रूपये ऑरिजनेटिंग रेवन्यू से लगभग 8 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार माल यातायात से दिसंबर माह में भोपाल मंडल ने 102 करोड़ 5 लाख का कुल ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया है।

माल यातायात के लिए निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं : मालगाड़ियों की औसत गति में वृद्धि करके अलग-अलग रेल खण्ड की क्षमता में वृद्धि और इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी बढ़ाया। साथ ही साथ ऑपरेशनल सुधार भी किए गए। गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल/साइडिंग को बढ़ाने का निरंतर प्रयास किये जा रहे है। गुड्स टर्मिनल की वर्किंग में सुधार एवं मालगाड़ियों के डिटेंशन को कम किया गया। इससे मालगाड़ियों के संचालन में तेजी आई और माल ढुलाई में वृद्धि हुई। माल गोदामों में राउण्ड द क्लॉक यानि चौबीस घंटे लोडिंग एवं अनलोडिंग सेवाएं शुरू की गईं। नए माल गोदामों को विकसित करके उन्नयन कार्य किया जा रहा है। नई रेल लाइन/ दोहरीकरण/ तिहरीकरण जैसे अधोसरंचना कार्यों में गति प्रदान की जा रही है। पश्चिम मध्य रेल द्वारा माल यातायात की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है और आगे भी जारी रखेगा।

मकर संक्रांति पर लड़े पतंगों के पेंच

मानव संग्रहालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मकर संक्रांति के अवसर पर इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के मंडपम परिसर में पतंग महोत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें 500 से अधिक शहरवासियों ने खुले आकाश में रंग बिरंगी पतंगे उड़कर आकाश को ढक दिया। राजस्थान और गुजरात से आए हुए कलाकारों द्वारा विभिन्न लोक एवं फ्यूजन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां ने दर्शकों का मन मोह लिया। विजिटर्स के लिए तिल गुड, पारंपरिक व्यंजन एवं लोकस्वाद के स्टाल भी थे।
पतंग उत्सव के तहत तीन श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इनमें लोगों ने ड्रैगन काइट ईगल काइट अंब्रेला पतंग चांद तारा के साथ 15 फीट लंबी मणिपुरी पतंग उड़ाई। प्रोफेशनल कैटेगरी में जंबो सिंगड, युवा (ओपन) कैटेगरी में भूरा मुफीद और महिला कैटेगरी में डॉ. रितु गुप्ता विजेता रही।

पतंग संस्कृति को जीवित रखने का प्रयास : मानव संग्रहालय के निदेशक डॉ. अभिलाष पांडेय ने बताया कि यह आयोजन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि भारतीय परंपराओं और ऋतु परिवर्तन से जुड़ी पतंग संस्कृति को जीवित रखने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग प्रदेशों में पतंगों का अलग सांस्कृतिक महत्व है, जिसे इस उत्सव के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। कार्यक्रम पूरी तरह निशुल्क रखा गया और आगंतुकों को पतंगें भी मुफ्त में दी गई।

मेट्रो एंकर | अब ऑपरेशन के दौरान कम होगा जोखिम

एम्स के डॉक्टरों ने बनाई देसी सर्जिकल डिवाइस

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अब ऑपरेशन थिएटर में कम खून बहेगा, सर्जरी जल्दी पूरी होगी और मरीज को कम जोखिम झेलना पड़ेगा। दरअसल, एम्स भोपाल के डॉक्टरों के एक स्वदेशी नवाचार किया है। इसके तहत इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रोकॉटरी एंड सक्शन डिवाइस फॉर सर्जरी नाम का उपकरण बनाया है। इस डिवाइस को हाल ही में भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय से डिजाइन पेटेंट मिला है।

दरअसल, अब तक सर्जरी के दौरान डॉक्टरों को बार-बार उपकरण बदलने की जरूरत पड़ती थी। इससे रक्तस्राव पर तुरंत नियंत्रण करने के लिए बार-बार सक्शन का उपयोग करना पड़ता था। इससे ऑपरेशन की अवधि बढ़ती थी। वहीं, खून भी ज्यादा बहता था और मरीज को ऑपरेशन की पर्याप्त जटिलताओं और जोखिम से गुजरना पड़ता था। इस नई डिवाइस से सबसे बड़ा फायदा बुजुर्गों, बच्चों और गंभीर मरीजों को मिलेगा। यह डिजाइन खासतौर पर मिनिमल इनवेसिव सर्जरी में यानी सर्जन की दक्षता बढ़ाने और ऑपरेशन के नतीजों को बेहतर बनाने में मदद करेगा। साथ ही मेडिकल कॉलेजों में रेजिडेंट्स और युवा सर्जनों के प्रशिक्षण के लिए भी यह उपयोगी साबित हो सकता है।आत्मनिर्भर भारत की राष्ट्रीय परिकल्पना के अनुरूप इस डिजाइन को एम्स के कार्डियोथोरेसिक विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विक्रम वट्टी, यूरोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. केतन मेहरा, क्षितिज युगबोध और डॉ. एकता जैन ने मिलकर बनाया है। यह उपलब्धि भारत में चिकित्सक-नेतृत्व वाले मेडिकल डिवाइस नवाचार को दर्शाती है।

भोपाल के यात्रियों को राहत, 12 ट्रेनों का प्रयागराज में ठहराव

भोपाल। माघ मेला में प्रयागराज जाने वाले भोपाल मंडल के यात्रियों को रेलवे प्रशासन ने बड़ी राहत दी है। श्रद्धालुओं और तीर्थ यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए भोपाल मंडल ते होकर जाने वाली 12 ट्रेनों को प्रयागराज रामबाग एवं झूसी स्टेशन पर 2 मिनट का अतिरिक्त ठहराव दिया गया है।

ये ट्रेनें लेंगी ठहराव: 11062 जयनगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, 11061 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-जयनगर एक्सप्रेस, 20934 दानापुर-उधना, 20933 उधना-दानापुर, 11034 दरभंगा-पुणे, 11033 पुणे-दरभंगा, 15559 दरभंगा-अहमदाबाद, 15560 अहमदाबाद-दरभंगा शामिल हैं।

गोपाल भार्गव के सरकारी आवास में बीमार बच्चों के लिए बना प्ले स्कूल जैसा गेस्ट रूम

भोपाल के मंत्री वाले बंगले में मरीजों का डेरा, रेनावेट कराए गए तीन हाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी में कई ऐसे नेता हैं जो किसी पद पर नहीं हैं फिर भी मंत्रियों वाले सरकारी बंगलों पर कब्जा जमाए हुए हैं। वहीं भोपाल में ही मंत्रियों वाला एक ऐसा बंगला है जो मरीजों का ठिकाना बना हुआ है। राजधानी के 74 बंगला क्षेत्र के बंगला नंबर बी-1 जो कि सागर जिले की रहली से विधायक और पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव का सरकारी आवास है। मंत्री के तौर पर भार्गव को आवंटित हुआ यह घर अब मरीजों का घर बना हुआ है।

गोपाल भार्गव की पुत्रवधु शिल्पी भार्गव ने बीमार बच्चों विशेषकर जिन्हें दिल से जुड़ी बीमारियां हैं उनके ठहरने के लिए एक खास गेस्ट रूम प्ले स्कूल की तर्ज

पर तैयार कराया है। इस किड्स गेस्ट रूम में बच्चों के लिए झूला, खिलौने से लेकर बच्चों के लिए स्पेशल बेड की व्यवस्था की है। बीमार बच्चों का मूड ठीक रखने के लिए दीवारों पर कार्टून और आकर्षक पेंटिंग्स बनवाई हैं।

मरीजों के लिए 50 बिस्तर- गोपाल भार्गव के बंगले में बीमार मरीजों के लिए 50 बिस्तरों के तीन हॉल रेनोवेट कराए गए हैं। इस बंगले में मरीजों के रुकने से लेकर आने-जाने के लिए एम्बुलेंस, भोजन और राजधानी के अस्पतालों में इलाज कराने के लिए कर्मचारी मौजूद रहते हैं।

मरीजों के लिए खास मेन्यू- भार्गव के बंगले में इलाज के पहले और बाद में रुकने वाले मरीजों के लिए सुबह नाश्ते, चाय के साथ दो टाइम फ्री भोजन की व्यवस्था है। इसे गोपाल जी की रसोई नाम दिया है। इस किचन में अलग-अलग दिनों में मरीजों के लिए मलाई कोफ्ता, मटर पनीर, पालक पनीर, शाही पनीर, बैगन भर्ता, बैगन मसाला, सेव टमाटर, आलू टमाटर, आलू पालक, भिंडी, आलू मैथी की भाजी, कढ़ी-पकौड़ा, बूंदी रायता, दाल तड़का, दाल फ्राइ परोसा जाता है।

हर रविवार को तीन एम्बुलेंस से भोपाल पहुंचते हैं मरीज

गोपाल भार्गव के गृह नगर गढ़ाकोटा स्थित निज निवास गणनायक से तीन एम्बुलेंस हर रविवार को भोपाल के लिए मरीजों को लेकर रवाना होती हैं। जिन मरीजों को भोपाल में इलाज के लिए आना होता है वे गढ़ाकोटा आवास पर रजिस्ट्रेशन कराते हैं। रविवार सुबह 10 बजे तक गढ़ाकोटा पहुंचने के बाद मरीजों को एम्बुलेंस से भोपाल रवाना कर दिया जाता है। भोपाल में भार्गव के बंगले पर पहुंचते ही कर्मचारी मरीजों का पंजीयन करते हैं। इसमें मरीज का आधार कार्ड, बीमारी की जानकारी लेकर मरीज से इलाज के लिए अस्पताल का नाम पूछते हैं। फिर जांचें कराकर इलाज के लिए सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती करा दिया जाता है।

आने-जाने, रुकने-खाने और इलाज सब फ्री

गोपाल भार्गव के क्षेत्र के मरीजों को गढ़ाकोटा, रहली से भोपाल तक आने-जाने की व्यवस्था फ्री है। भोपाल में रुकने और भोजन भी निशुल्क है। इलाज की व्यवस्था आयुष्मान कार्ड या मुख्यमंत्री सहायता से कराई जाती है यदि इन माध्यमों से भी इलाज में मदद नहीं मिल पाई तो गोपाल भार्गव अपने निजी फंड से इलाज की व्यवस्था करते हैं।

श्री महाकाल महोत्सव का हुआ शुभारंभ, मुख्यमंत्री डॉ. यादव बोले-

भक्तों को आध्यात्म, धर्म-प्रदेश की सांस्कृतिक परम्परा से जोड़ने का माध्यम है यह आयोजन

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि श्री महाकाल महोत्सव से उज्जैन की सुंदरता को स्वर्ग के समान बना दिया है। आज की उज्जैन नगरी महाकवि कालिदास की रचनाओं की अवंतिका के समान हो गई है। सम्राट विक्रमादित्य और राजा भोज के काल से अवंतिका नगरी न्याय और प्रशासनिक दक्षता की वाहक है। सम्राट विक्रमादित्य, राजा भोज और अवंतिका नगरी की अन्य महान विभूतियों और प्रेरक कहानियों को श्री महाकाल महालोक में मूर्ति कला और दीवारों पर चित्रों के माध्यम से बड़ी सुंदर तरीके से दर्शाया गया है। श्री महाकाल की नगरी काल की नगरी है। श्री महाकाल की कृपा से हमारी प्रत्येक सांस है और प्रेरणा से यह जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित है। प्रदेश ने धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर अपनी नवीन पहचान स्थापित की है। श्री महाकाल महोत्सव श्रद्धालुओं को आध्यात्म, धर्म और प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा से जोड़ने का माध्यम है। इससे श्रद्धालुओं को बाबा का आशीर्वाद भी मिलेगा, और उज्जैन की जानकारी भी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संगीत की समृद्ध परंपरा में डमरू सबसे पहला वाद्य यंत्र है। संगीत की समृद्ध परंपरा में अन्य यंत्र इसके बाद बने है। शंकर महादेवन द्वारा दी जाने वाली डमरू वाद्य यंत्र पर प्रस्तुति अद्भुत होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल्द ही जिले को इंदौर उज्जैन सिक्स लेन, हरिफटक पुल सिक्स लेन, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स आदि की सौगात मिलेगी। साथ ही जिले में अन्य विकास के कार्य भी किए जा रहे है। जिले में 25 जनवरी को राहगीरी का आनंद उत्सव भी आयोजित किया जाएगा।

भोपाल-उज्जैन में आयोजित होंगे वन मेले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग है ,दोनों ज्योतिर्लिंग की कनेक्टविटी सड़क ,वायु और रेल मार्ग से बढ़ाकर श्रद्धालुओं को सुविधा प्रदान की जा रही है। उज्जैन में तो शक्ति पीठ माता गढ़ कालिका भी है साथ ही यहाँ शिप्रा के किनारे गुरुद्वारा है जहां श्री गुरु नानक जी आए और उज्जैन का उल्लेख अपने पदों में किया है। उज्जैन की विविधता और समरसता निराली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन में सावन महोत्सव 2003 के बाद शुरू किया गया। अब शिवरात्रि से लेकर गुड़ी पड़वा तक उज्जैन में मेला आयोजित हो रहे हैं। उज्जैन में आयोजित विविध कार्यक्रमों और मेलों के माध्यम से पर्यटनों को इतिहास और संस्कृत से जोड़ रहे है और सभी का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन और ग्वालियर में आयोजित व्यापार मेले में वाहनों में कर की छूट भी सरकार द्वारा प्रदान की जा रही है। इस परम्परा को ओर समृद्ध बनाकर अब भोपाल के साथ उज्जैन में भी 5 दिवसीय वन मेला दशहरा मैदान पर आयोजित किया जाएगा। इसमें विभिन्न वन उत्पाद नागरिक प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि संगीत की समृद्ध परंपरा में डमरू सबसे पहला वाद्य यंत्र है। संगीत की समृद्ध परंपरा में अन्य यंत्र इसके बाद बने है। शंकर महादेवन द्वारा दी जाने वाली डमरू वाद्य यंत्र पर प्रस्तुति अद्भुत होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल्द ही जिले को इंदौर उज्जैन सिक्स लेन, हरिफटक पुल सिक्स लेन, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स आदि की सौगात मिलेगी।

प्रदूषण बोर्ड की रिपोर्ट में खुलासा

99 मिलियन लीटर सीवेज रोजाना मिल रहा है नालों में, पानी हुआ अत्यंत दूषित

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

जबलपुर में नालों के गंदे पानी से सब्जी उगाने के मामले में दायर जनहित याचिका पर बुधवार को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में एक बार फिर सुनवाई हुई। इस दौरान मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा पेश की गई जांच रिपोर्ट ने हालात की गंभीरता उजागर कर दी। रिपोर्ट में सामने आया है कि जबलपुर शहर के लगभग सभी नालों के पानी में भारी मात्रा में सीवेज मिला हुआ है, जिससे यह पानी अत्यंत दूषित हो चुका है और पीने, निस्तार व सिंचाई के लिए पूरी तरह अनुपयोगी है। जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सरकार को कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सुझावों पर तत्काल अमल किया जाए और इसकी रिपोर्ट पेश की जाए। मामले की अगली सुनवाई 2 फरवरी को तय की गई है।

चेतावनी-गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा हो सकता है

प्रदूषण नियंत्रण मंडल की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि यदि नालों का यह दूषित पानी किसी भी स्थिति में वॉटर पाइप लाइन में मिल गया, तो इससे गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा हो सकता है। हाईकोर्ट ने रिपोर्ट की गंभीरता को देखते हुए सरकार को निर्देश दिए हैं कि घरों से निकलने वाले सीवेज को सीधे नालों में जाने से तत्काल रोका जाए और नाले के पानी के किसी भी तरह के उपयोग पर

नवंबर में नालों से लिए थे सैंपल

प्रदूषण बोर्ड की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट सिद्धार्थ सेठ ने बताया कि हाईकोर्ट के निर्देश पर कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग और प्रदूषण नियंत्रण मंडल की संयुक्त टीम ने 23 नवंबर 2025 को ओमती नाला, मोती नाला, खूनी नाला सहित अन्य प्रमुख नालों से पानी के सैंपल लेकर जांच की थी। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि पानी में बीओडी, टोटल कॉलीफॉर्म और फीकल कॉलीफॉर्म की मात्रा निर्धारित मानकों से कहीं अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार यह पानी पीने, नहाने, खेती या किसी भी अन्य उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं है।

नगर निगम पर लगा था 17.80 करोड़ का दंड

मामले में यह भी सामने आया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देश पर प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने जबलपुर नगर निगम पर 17.80 करोड़ रुपए का पर्यावरणीय दंड लगाया था। यह जुलाई 2020 से 31 मार्च 2025 के बीच घरों से सीधे नदियों और नालियों में सीवेज व प्रदूषित जल मिलाने के कारण लगाया गया था, लेकिन अब तक नगर निगम ने यह राशि जमा नहीं की है। दंड की वसूली की जिम्मेदारी जबलपुर जिला कलेक्टर की है, जिस पर हाईकोर्ट ने जवाब तलब किया है।

573 क्विंटल बिके बेसन लड्डू

महाकाल मंदिर से 12 दिन में तीन करोड़ से ज्यादा के लड्डू ले गए श्रद्धालु

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं में लड्डू प्रसादी को लेकर खास रुझान देखने को मिल रहा है। पौष्टिकता से भरपूर होने के बावजूद रागी अन्न प्रसाद का लड्डू श्रद्धालुओं को अपेक्षाकृत कम पसंद आ रहा है, जबकि बेसन का लड्डू उनकी पहली पसंद बनता जा रहा है। मांग और बिक्री के आंकड़े इस बदलते रुझान को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।

रविवार को मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान मंदिर समिति के 10 काउंटरों से कुल 58.528 क्विंटल बेसन का लड्डू बिके, जिससे 28 लाख 3 हजार 50 रुपये की आय हुई। वहीं रागी लड्डू की बिक्री मात्र 6.11 क्विंटल रही, जिससे 2 लाख 84 हजार 100 रुपये प्राप्त हुए। आंकड़ों के अनुसार, रागी की तुलना में बेसन लड्डू की मांग लगभग दस गुना अधिक रही। लड्डू प्रसादी की खरीद में श्रद्धालुओं ने अलग-अलग पैकेटों को प्राथमिकता दी। सबसे अधिक मांग 100 रुपये वाले पैकेट की रही, जिसमें बेसन के 18,540 और रागी के 1,215 पैकेट बिके। 50 रुपये वाले पैकेट में बेसन के 9,113 और रागी के 1,540 पैकेट की बिक्री हुई। वहीं 200 रुपये वाले आधा किलो के पैकेट में बेसन के 2,467 और रागी के 428 पैकेट श्रद्धालुओं ने खरीदे।

एक दिन में 30 लाख से अधिक का विक्रय

मंदिर समिति ने अकेले रविवार को रागी और बेसन दोनों प्रकार के लड्डू प्रसादी से कुल 30 लाख 87 हजार रुपये से अधिक का विक्रय किया। समिति का कहना है कि लड्डू प्रसादी श्रद्धालुओं को 'नो लॉस, नो प्रॉफिट' के आधार पर उपलब्ध कराई जाती है, ताकि आस्था के साथ गुणवत्ता भी बनी रहे। शीतकालीन अवकाश के दौरान 25 दिसंबर 2025 से 5 जनवरी 2026 तक के 12 दिनों में मंदिर समिति ने कुल 643.409 क्विंटल लड्डू प्रसादी का विक्रय किया। इस अवधि में 573.118 क्विंटल बेसन लड्डू से 2 करोड़ 73 लाख 93 हजार 600 रुपये और 70.291 क्विंटल रागी लड्डू से 32 लाख 50 हजार 800 रुपये की बिक्री दर्ज की गई।

गुणवत्ता और भविष्य की उम्मीद

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि लड्डू निर्माण में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाता है। प्रतिदिन खाद्य प्रशासन के निरीक्षक नमूने लेकर जांच करते हैं और शुद्ध सामग्री का ही उपयोग होता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में श्री अन्नप्रसाद यानी रागी लड्डू की स्वीकार्यता भी बढ़ेगी।

निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं का कार्य समय-सीमा में करें पूण

भोपाल । जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है की प्रदेश में विभिन्न निर्माणाधीन वृहद एवं मध्यम परियोजनाओं का कार्य समय से पूरा किया जाए। वरिष्ठ अधिकारी परियोजनाओं के कार्य का निरंतर निरीक्षण करें और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें। कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। मंत्री सिलावट ने मंत्रालय स्थित अपने प्रतिकक्ष में बुधवार को विभाग के अंतर्गत धसान केन कछार सागर में निर्माणाधीन वृहद एवं मध्यम परियोजनाओं की समीक्षा की।

टंट्या मामा की मूर्ति स्थापना में बड़े घोटाले का आरोप

धातु या पत्थर की जगह लगाई फाइबर की मूर्ति

खरगोन, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद द्वारा बिस्टान रोड तिराहे पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी टंट्या मामा की मूर्ति स्थापना को लेकर बड़ा घोटाला सामने आया है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रवि नाईक ने नगर पालिका पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि मूर्ति स्थापना में तय मापदंडों, विज्ञप्ति की शर्तों और कलेक्टर कार्यालय के निर्देशों का उल्लंघन कर भारी भ्रष्टाचार किया गया

है। कांग्रेस ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। रवि नाईक ने बताया कि 24 सितंबर को नगर पालिका परिषद की पीआईसी बैठक में स्पष्ट रूप से यह तय किया गया था कि टंट्या मामा की मूर्ति संगमरमर पत्थर अथवा धातु की होगी। इसी निर्णय के अनुरूप नगर पालिका परिषद द्वारा विज्ञप्ति भी जारी की गई थी, जिसमें धातु या पत्थर की मूर्ति की ही शर्त रखी गई थी। इसके अलावा कलेक्टर कार्यालय खरगोन द्वारा भी नगर पालिका को पत्थर अथवा धातु की मूर्ति स्थापित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे।

दोपहर मेट्रो | **किसानों से कम कीमत पर दूध लेकर अंचल के ही लोगों को महंगी दरों पर बेच रही हैं कंपनियां**

प्रदेश में कंपनियों का सबसे महंगा दूध ग्वालियर में

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

देशभर में दूध बेचने वाली ब्रांडेड कंपनियां पूरे प्रदेश में तो कम कीमत पर दूध बेचती हैं, लेकिन ग्वालियर में इसी दूध के प्रति लीटर दो रुपये अधिक वसूलती हैं। यह तथ्य तब सामने आया जब अभी हाल ही में ग्वालियर दुग्ध संघ ने अपने ब्रांड सांची दूध के दाम दो रुपये बढ़ा दिए। पहले सांची दूध 68 रुपये प्रति लीटर था और अब 70 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। हालांकि दुग्ध संघ का तर्क है कि अन्य कंपनियों की दरों के बराबर करने के लिए रेट बढ़ाए गए हैं।

इसकी वजह यह है कि अन्य ब्रांडेड कंपनियां प्रदेश के अन्य शहरों व क्षेत्र में 68 रुपये प्रति लीटर दूध बेच रही थी, जबकि ग्वालियर व चंबल में 70 रुपये प्रति लीटर बेच रही हैं। यहां बता दें कि ग्वालियर दुग्ध संघ ने सांची फूल क्रीम दूध की कीमत में दो रुपये की बढ़ोतरी कर दी, जबकि इस ब्रांड का दूध भोपाल, इंदौर, उज्जैन व जबलपुर में 68 रुपये ही बिक रहा है, लेकिन ग्वालियर-चंबल अंचल में यह कीमत 70 रुपये प्रति लीटर हो गई। इस संबंध में दुग्ध संघ के प्रबंधन का कहना है कि सांची का दूध कम रेट में था, इसलिए अन्य कंपनियां ग्राहकों को बताती थी कि सांची दूध में कमी है इसलिए ही तो वह 68 रुपये में बिक रहा है। इसलिए सांची दूध की दरों को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर से निर्देश मिलने के बाद सभी कंपनियों के बराबर कीमत करने के लिए दरों को बढ़ाया गया है। मध्य प्रदेश में सबसे अधिक दूध का उत्पादन ग्वालियर-चंबल ही करता है। ये कंपनियां अंचल के किसानों से कम कीमत पर दूध लेकर अंचल के ही लोगों को महंगी दरों पर बेच रही है, जबकि अंचल के लोगों को दूध प्रदेश के अन्य जिलों की तुलना में कम कीमत पर मिलना चाहिए था।

ये कंपनियां अंचल में वसूल रही हैं अधिक रुपये

ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के शहरी क्षेत्रों में सांची के अलावा देश की सबसे बड़ी दूध कंपनी अमूल, मदर डेयरी, डिलाइट इंडिया, पारस आदि कंपनियां दूध बेच रही हैं। खास बात यह है कि ये सभी नामी गिरामी कंपनियां अंचल के लोगों के साथ भेदभाव कर रही हैं। प्रदेश के अन्य शहरों के लोगों को दो रुपये कम व अंचल के लोगों से दो रुपये अधिक वसूल रही है।

सांची को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे थे

अंचल में अमूल, डिलाइट इंडिया, पारस, मदर डेयरी आदि अपना दूध बेच रही है। इन सभी के दूध की रेट प्रदेश के अन्य शहरों में 68 रुपये ही है। हालांकि सात जनवरी से पहले सांची अंचल में 68 रुपये प्रति लीटर में ही दूध बेच रही थी, लेकिन अन्य कंपनियां महंगा बेच रही थी। कम दर होने से हमारे प्राडक्ट को दूसरी कंपनियों के लोग उपभोक्ताओं के सामने गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे थे। इसलिए अन्य कंपनियों की दरों के बराबर ही सांची की दरें करने का निर्णय लिया गया है। - राशिद खान, सीईओ, ग्वालियर दुग्ध संघ सांची।

समुद्र में संदेश

दक्षिण अफ्रीका के तट के पास शुरू हुआ ब्रिक्स देशों का संयुक्त नौसैनिक अभ्यास केवल युद्धाभ्यास नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति की उथल-पुथल पर एक सशक्त टिप्पणी है। 'विल फॉर पीस 2026' नाम से चल रहा यह अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया पहले से कहीं अधिक अस्थिर और अविश्वास से भरी दिखती है। हिंद और अटलांटिक महासागर के संगम के पास चुना गया स्थान खुद में एक प्रतीक है- यह बताने के लिए कि समुद्र अब सिर्फ व्यापार का मार्ग नहीं, बल्कि शक्ति संतुलन का केंद्र बन चुका है। इस अभ्यास पर अमेरिका की पैनी नजर होना स्वाभाविक है। वाशिंगटन लंबे समय से ब्रिक्स को आर्थिक ही नहीं, रणनीतिक चुनौती के रूप में भी देखता रहा है। डॉलर पर निर्भरता घटाने और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को बढ़ावा देने की ब्रिक्स की सोच, अमेरिकी वर्चस्व की धारणा को सीधी चुनौती देती है। ऐसे में समुद्र में ब्रिक्स देशों की संयुक्त मौजूदगी, अमेरिका की आक्रामक कूटनीति के प्रति एक शांत लेकिन स्पष्ट संदेश है। अभ्यास की अगुवाई चीन कर रहा है, जबकि ईरान, रूस, संयुक्त अरब अमीरात और दक्षिण अफ्रीका ने अपने-अपने युद्धपोत तैनात किए हैं। ब्राजील, मिस्र, इंडोनेशिया और इथियोपिया पर्यवेक्षक की भूमिका में हैं। यह भागीदारी दिखाती है कि ब्रिक्स अब एक सीमित समूह नहीं, बल्कि विस्तार लेता हुआ मंच है, जो वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को स्वर देने की कोशिश कर रहा है। दक्षिण अफ्रीका के सैन्य कमांडर का यह कथन कि यह अभ्यास 'इरादों का बयान' है, इसकी राजनीतिक गंभीरता को रेखांकित करता है। सबसे दिलचस्प और विचारणीय पहलू भारत की अनुपस्थिति है। आधिकारिक चुप्पी के बावजूद यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या भारत रणनीतिक संतुलन साधने की कोशिश में एक कठिन मोड़ पर खड़ा है। अमेरिका के साथ बढ़ती नजदीकियां और ब्रिक्स में सक्रिय भूमिका-इन दोनों के बीच संतुलन बनाना भारत की विदेश नीति की बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। यह स्थिति बताती है कि बहुध्रुवीय दुनिया में विकल्पों की आजादी के साथ-साथ दबाव भी बढ़ रहे हैं। यह अभ्यास ऐसे दौर में हो रहा है, जब अमेरिका की टैरिफ नीतियों और सैन्य दखल ने वैश्विक तनाव को और गहरा किया है। समुद्री मार्गों की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक व्यापार की स्थिरता के लिए साझा प्रयास जरूरी हो चुके हैं। अंततः, ब्रिक्स का यह नौसैनिक अभ्यास शक्ति प्रदर्शन से अधिक एक वैचारिक घोषणा है- कि दुनिया एकध्रुवीय सोच से आगे बढ़ रही है। समुद्र की लहरों के बीच दिया गया यह संदेश आने वाले समय में वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

विश्वनाथ से रामेश्वरम तक, 'एक भारत' भावना

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का जीवंत प्रतीक है काशी-तमिल संगमम

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत

कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला। इस पर्व को हम वर्ष 1026 में सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने पर मना रहे हैं। इस क्षण का साक्षी बनने के लिए देश के कोने-कोने से लोग सोमनाथ पहुंचे। यह इस बात का प्रमाण है कि भारतवर्ष के लोग जहां अपने इतिहास और संस्कृति से गहराई से जुड़े हैं, वहीं कभी हार ना मानने वाला साहस भी उनके जीवन की एक बड़ी विशेषता है। यही भावना उन्हें एक साथ जोड़ती भी है। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई, जो इससे पहले सौराष्ट्र-तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी-तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे। ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसलिए मैंने तय किया कि क्यों ना इस विषय पर अपने कुछ विचार साझा करूं।

'मन की बात' के एक एपिसोड के दौरान मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा ना सीख पाने का मुझे बहुत दुख है। यह हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी हुई है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और सशक्त बनाने वाला है। हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्त्व है। इस पहलू से भी काशी-तमिल संगमम एक अनूठा प्रयास है। इसमें जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं यह भी पता चलता है कि कैसे हम एक दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं।

काशी तमिल संगमम के आयोजन के लिए काशी सबसे उपयुक्त स्थान कहा जा सकता है।यह वही काशी है, जो अनादि काल से हमारी सभ्यता की धुरी बनी हुई है। यहां हजारों वर्षों से लोग ज्ञान, जीवन के अर्थ और मोक्ष की खोज में आते रहे हैं। काशी का तमिल समाज और संस्कृति से अत्यंत गहरा नाता रहा है। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु मेंरामेश्वरम तीर्थ है।तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है। पूज्य कुमारगुरुपर स्वामिजि ने अपनीविद्वता और आध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच एक सशक्त और स्थायी संबंध स्थापित किया था। तमिलनाडु के महान सपूत महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी को भी काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागरण का अद्भुत अवसर दिखा। यहीं उनका राष्ट्रवाद और प्रबल हुआ, साथ ही उनकी कविताओं को एक नई धार मिली। यहीं पर स्वतंत्र और अखंड भारत की उनकी संकल्पना को एक स्पष्ट दिशा मिली। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो काशी और तमिलनाडु के बीच गहरे आत्मीय संबंध को दर्शाते हैं।

वर्ष 2022में वाराणसी की धरती पर काशी-तमिल संगमम की शुरुआत हुई थी। मुझे इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। तब तमिलनाडु से आएलेखकों, विद्यार्थियों, कलाकारों, विद्वानों, किसानों और अतिथियों ने काशी के साथ साथ प्रयागराज और अयोध्या के दर्शन भी किए थे। इसके बाद के आयोजनों में इस पहल को और विस्तार दिया गया। इसका उद्देश्य यह था कि संगमम में समय-समय पर नए विषय जोड़े जाएं, नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं और इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो। प्रयास यह था कि ये आयोजन अपनी मूल भावना से जुड़े रहकर भी निरंतर आगे बढ़ता रहे। वर्ष 2023 के दूसरे आयोजन में टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, ताकि यह सुनिश्चित हो कि भाषा इसमें बाधा ना बने। इसके तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टमपर विशेष फोकस रखा गया। इसके साथ ही शैक्षिक संवादों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और संवाद सत्रों में लोगों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। हजारों लोग इनका हिस्सा बने।

काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण 2 दिसंबर, 2025 को आरंभ हुआ। इस बार की थीम बहुत रोचक थी- तमिल करकलम् यानि तमिल सीखें....। इससे काशी और दूसरी जगहों के लोगों को खूबसूरत तमिल भाषा सीखने का एक अनूठा अवसर मिला। तमिलनाडु से आए शिक्षकों ने काशी के विद्यार्थियों के लिए इसे अविस्मरणीय बना दिया !इस बार कई और विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। प्राचीन तमिल साहित्य ग्रंथ तोलकाप्पियम का चार भारतीय और छह विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया गया। तेनकासी से काशी तक पहुंचीएक विशेष व्हीकल एक्सपेडिशन भी देखने को मिली।इसके अलावा काशी में स्वास्थ्य शिविरों और डिजिटल लिट्रेसी कैंप के आयोजन के साथ ही कई और सराहनीय प्रयास भी किए गए। इस अभियान में सांस्कृतिक एकता के संदेश का प्रसार करने वाले पांड्य वंश के महान राजा आदि वीर पराक्रम पांडियन जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पूरे आयोजन के दौरान नमो घाट पर प्रदर्शनियां लगाई गईं, बीएचयू में शैक्षणिक सत्र का आयोजन हुआ, साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। काशी-तमिल संगमम में इस बार जिस चीज ने मुझे सबसे अधिक प्रसन्नता दी, वो हमारे युवा साथियों का उत्साह है। इससे अपनी जड़ों से और अधिक जुड़े रहने के उनके पैशन का पता चलता है।

काशी-तमिल संगमम का बहुत गहरा प्रभाव देखने को मिला है। इसके जरिए जहां सांस्कृतिक चेतना को मजबूती मिली है, वहीं शैक्षिक विमर्शऔर जनसंवादको भी काफी बढ़ावा मिला है। इससे हमारी संस्कृतियों के बीच संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं। इस मंच ने %एक भारत, श्रेष्ठ भारत% की भावना को आगे बढ़ाया है, इसलिए आने वाले समय में हम इस आयोजन को और वाइब्रेंट बनाने वाले हैं। ये वो भावना है, जो शताब्दियों से हमारे पर्व-त्योहार, साहित्य, संगीत, कला, खान-पान, वास्तुकला और ज्ञान-पद्धतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। वर्ष का यह समय हर देशवासी के लिए बहुत ही पावन माना जाता है। लोग बड़े उत्साह के साथ संक्रांति, उत्तरायण, पोंगल, माघ बिहू जैसे अनेक त्योहार मना रहे हैं। ये सभी उत्सव मुख्य रूप से सूर्यदेव, प्रकृति और कृषि को समर्पित हैं। ये त्योहार लोगों को आपस में जोड़ते हैं, जिससे समाज में सद्भाव और एकजुटता की भावना और प्रगाढ़ होती है। इस अवसर पर मैं आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि इन उत्सवों के साथ हमारी साझी विरासत और सामूहिक भागीदारी की भावना देशवासियों की एकता को और मजबूत करेगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

इंडियन आर्मी -डे

अनुशासन, त्याग और पराक्रम का उत्सव, वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को समर्पित दिवस

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

हर वर्ष 15 जनवरी को भारतीय थल सेना दिवस (इंडियन आर्मी डे) मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिन भारतीय सेना के गौरव, शौर्य, अनुशासन और उन वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को समर्पित है, जो देश की सीमाओं पर खड़े होकर राष्ट्र की रक्षा करते हैं। यह केवल एक उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह भारतीय सैन्य इतिहास के एक निर्णायक क्षण की स्मृति भी है। दरअसल, 15 जनवरी 1949 को लेफ्टिनेंट जनरल के.एम.करिअप्पा ने भारत के पहले भारतीय सेनाध्यक्ष (प्रथम भारतीय कमांडर-इन-चीफ) के रूप में कार्यभार संभाला था। उस समय ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर ने उन्हें औपचारिक रूप से यह पद सौंपा था। यह क्षण भारत की सैन्य संप्रभुता, आत्मनिर्भरता और औपनिवेशिक विरासत से मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। बाद में, वर्ष 1986 में के. एम. करिअप्पा को उनके अतुलनीय योगदान के लिए फील्ड मार्शल की मानद उपाधि प्रदान की गई।स्वतंत्रता के बाद प्रारंभ में सेना दिवस 1 अप्रैल को मनाने का विचार किया गया था, किंतु ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए 15 जनवरी की तिथि को स्थायी रूप से निर्धारित किया गया। शुरुआती वर्षों में सेना दिवस के कार्यक्रम सीमित रूप से विभिन्न सैन्य छावनियों में आयोजित होते थे, जबकि भव्य सार्वजनिक परेड और औपचारिक समारोहों की परंपरा बाद के वर्षों में विकसित हुई।आज सेना दिवस के अवसर पर दिल्ली या चयनित शहरों के परेड ग्राउंड में शानदार सैन्य परेड आयोजित की जाती है तथा इसमें सेना अपने आधुनिक हथियारों, टैंकों, मिसाइलों, राडार प्रणालियों और युद्ध कौशल का प्रदर्शन करती है। इसके साथ ही वीरता पुरस्कार, जैसे सेना मेडल, भी प्रदान किए जाते हैं। यह दिन नई सैन्य तकनीकों, युद्ध अभ्यासों और रेजिमेंटल परंपराओं की औपचारिक शुरुआत का भी साक्षी बनता है।

पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय थल सेना विश्व की सबसे बड़ी स्वैच्छिक (वॉलंटरी) सेना मानी जाती है, जहाँ सैनिकों की भर्ती पूरी तरह स्वेच्छा से होती है और किसी भी प्रकार की जबरन भर्ती की व्यवस्था नहीं है। सैनिकों की संख्या के लिहाज़ से यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सक्रिय थल सेना है, जिसमें लगभग 14.5 लाख (1.45 मिलियन) से अधिक सक्रिय सैनिक कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 11-12 लाख रिज़र्व सैनिक तथा लगभग 25 लाख अर्धसैनिक बल भी भारत की सुरक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा हैं। नवम्बर 2025 में ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित लोवी इंस्टीट्यूट ने एशिया पॉवर इंडेक्स जारी किया जिसमें भारत को अमेरिका और चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति घोषित किया है।भारतीय सेना का मुख्य दायित्व देश की स्थल सीमाओं की रक्षा, आंतरिक सुरक्षा बनाए रखना, आतंकवाद व उग्रवाद से मुकाबला करना तथा आपदा के समय नागरिकों की सहायता करना है। यह सेना दुनिया के सबसे कठिन और ऊँचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर की रक्षा करती है, जो समुद्र तल से लगभग 5000 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है, जहाँ अत्यंत विषम जलवायु परिस्थितियों में भी सैनिक निरंतर तैनात रहते हैं। इसके अतिरिक्त रेगिस्तान, घने जंगलों और ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में भी भारतीय सेना प्रभावी रूप से कार्य करती है।

वैश्विक स्तर पर भारतीय थल सेना अपनी रणनीतिक क्षमता, अनुशासन और युद्ध अनुभव के लिए जानी जाती है। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भारत का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है और भारत उन देशों में शामिल है, जिन्होंने सबसे अधिक सैनिक यूएन पीसकीपिंग ऑपरेशंस में भेजे हैं। ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स के अनुसार भारत दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सैन्य शक्ति है, जिसमें केवल अमेरिका, रूस और चीन भारत से आगे हैं। गौरतलब है कि भारतीय सेना की सर्वोच्च कमान देश के राष्ट्रपति के पास होती है, जो संविधान के अनुसार इसके सर्वोच्च कमांडर होते हैं। सेना की इंजीनियरिंग दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण लद्दाख के द्रास और सुरु नदियों के बीच निर्मित बेली ब्रिज है, जिसे अगस्त 1982 में सेना ने बनाया था और जिसे विश्व के सबसे ऊँचे पुलों में गिना जाता है।

भारतीय थल सेना का आदर्श वाक्य 'सेवा परमो धर्मः' है, जिसका अर्थ है-सेवा ही सर्वोच्च धर्म है। यही वाक्य सेना के कर्तव्यबोध, निस्वार्थ सेवा, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण का मूल आधार है। 'सर्विस बिफोर सेल्फ' सेना की कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, जिसे हर सैनिक प्रशिक्षण और व्यवहार में आत्मसात करता है। हाल के वर्षों में सेना दिवस समारोहों में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाने लगा है। गौरतलब है इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में भारत अपना 78वाँ सेना दिवस मना रहा है, जिसकी मुख्य परेड जयपुर (राजस्थान) में आयोजित की जा रही है। अब परंपरा यह बन चुकी है कि परेड दिल्ली से बाहर विभिन्न शहरों में आयोजित की जाए, ताकि सेना और जनता के बीच जुड़ाव और अधिक सशक्त हो।

निष्कर्षतः, हम यहां पर यह बात कह सकते हैं कि भारतीय थल सेना शौर्य, समर्पण और राष्ट्रभक्ति का जीवंत प्रतीक है। सेना दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय शौर्य की उस अखंड परंपरा का उत्सव है, जो 'सेवा परमो धर्मः' के संकल्प पर टिकी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमारी सुरक्षित और शांतिपूर्ण नींद उन जवानों के बलिदानों की ऋणी है, जो सरहद की चौखट पर हर पल प्रहरी बनकर खड़े रहते हैं। चाहे सियाचिन की हाड़ कंपा देने वाली ठंड हो या थार के रेगिस्तान की झुलसाती गर्मी-भारतीय सेना का हर जवान देश की अखंडता के लिए अभेद्य दीवार बनकर खड़ा रहता है। वास्तव में, भारतीय थल सेना भारत के आत्मविश्वास का वह स्तंभ है, जिसके साये में पूरा देश सुरक्षित, सशक्त और प्रगतिशील महसूस करता है। भारतीय सेना को नमन।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

सर्दी में जोड़ों के दर्द और जकड़न से राहत के लिए लौंग के तेल का आर्युर्वेदिक नुस्खा

सर्दियों का मौसम कुछ लोगों का पसंदीदा होता है लेकिन कई लोग जल्दी गुजर जाने का इंतजार करते हैं?। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में उनके जोड़ों का दर्द और भी ज्यादा बढ़ जाता है, जिससे उनके लिए रोजाना के काम करना भी मुश्किल हो जाता है। जहां चलना-फिरना, सीढ़ी चढ़ना-उतरना, उठना-बैठना इतना मुश्किल हो जाए, तो कोई यही चाहेगा कि ये मौसम जल्दी से गुजर जाए। घुटनों या जोड़ों का दर्द ज्यादा न सताए और दवाइयां भी न खानी पड़े तो लॉन्ग के तेल के नुस्खे का इस्तेमाल किया जा सकता है।

जानी मानी न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने अपनी इंस्टाग्राम वीडियो में इस आयुर्वेदिक उपाय के बारे में जानकारी दी है। दरअसल, ठंड के मौसम में मांसपेशियां और जोड़ सख्त हो जाते हैं, जिससे अकड़न और सूजन बढ़ सकती है। इस मौसम में हाथ-पैरों में ब्लड फ्लो कम हो सकता है, हीलिंग प्रोसेस धीमी हो सकती है और दर्द और सूजन जैसे लक्षण बढ़ सकते हैं। इसलिए आपके घुटनों और अन्य जोड़ों में भी दर्द बढ़ सकता है।

किरण कुकरेजा ने बताया कि आप सर्दियों में आयुर्वेदिक तेल आजमा सकते हैं। जोड़ों के दर्द के लिए यह नुस्खा 100 साल पुराना है। जब भी आपको जोड़ों का दर्द या बदन दर्द हो तो इस तेल से मालिश करने से तुरंत राहत मिलती है। खास बात ये है कि इस तेल को तैयार करने के लिए केवल देसी चीजों की ही जरूरत होती है, जो मिलकर इस तेल को पावरफुल बनाते हैं।

तेल बनाने के लिए जरूरी सामग्री: सर्दियों में अपने घुटनों को अकड़न और दर्द से दूर रखने के लिए आप घर पर ही इस तेल को आराम से तैयार कर सकते हैं। जिसके लिए आपको बेसिक 6 चीजों की जरूरत होगी, जो आसानी से हर किसी के घर में मौजूद होती हैं। तेल को बनाने के लिए जरूरी सामग्रियां इस प्रकार हैं- एक कप सरसों का तेल, एक बड़ा चम्मच अजवाइन, एक बड़ा चम्मच लौंग, 6-7 लहसुन की कलियां, दो बड़ा चम्मच मेथी के दाने, कच्ची हल्दी के कुछ टुकड़े, एक बड़ा चम्मच कपूर का पाउडर सबसे पहले एक पैन में सरसों का तेल डालें और इसे 2 मिनट तक गर्म करें। इसके बाद इसमें एक-एक करके सभी सामग्रियों को डालें।

इस तेल को 20-25 मिनट तक धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद ठंडा होने पर इसे स्ट्रेन कर लें। आप इस आयुर्वेदिक तेल को 2-3 महीनों तक स्टोर करके रख सकते हैं।

सुविचार

दिल के साफ लोग,
हर जगह से ठुकरा
दिए जाते हैं पार्थ....

-अज्ञात

निशाना

जब सगे ही पराये हो जाएं..!

रामकिशोर नाविक

काफिये जितने तंग होते हैं
शे'र उतने मलंग होते हैं
इक नदी के दो किनारे हम
हर घड़ी संग संग होते हैं
ज़िंदगी गीत की तरह गाओ
पल सभी जलतरंग होते हैं
जब सगे ही पराये हो जायें
तब कई मोह भंग होते हैं
चैन पायेंगे दिल बड़ा रखिए
ओछे दिल ही अपंग होते हैं।

इनोवेशन

भारत की रोबोटिक्स में छलांग, आ गया पहला स्मार्ट रोबोडॉग SCORP, करेगा नामुमकिन काम

रोबोटिक्स के मामले में भारत भी अब पीछे नहीं रहा है। दरअसल xTerra रोबोटिक्स नाम की कंपनी ने SCORP नाम का चौपाया रोबोट पेश किया है। इसे लेग्ड मोबाइल मैनीपुलेटर रोबोट कहा जाता है। रिपोर्ट्स के अनुसार इस रोबोट को विकसित करने में IIT कानपुर का भी बड़ा हाथ रहा है। इस चौपाया रोबोट की खासियत है कि यह उन इलाकों में बेहतरीन तरीके से काम कर सकता है, जो कि इंसानों के लिए खतरनाक या जोखिम भरे हो सकते हैं। इस रोबोट के चार पैर हैं और अलग-अलग कामों को अंजाम देने के लिए रोबोटिक बांह है।

रोबोट्स के साथ एक बड़ी समस्या है कि वह सीढ़ियों, उबड़-खाबड़ रास्ते, मलबे या ऐसे इलाकों में चल फिर नहीं पाते जो कि आपदा से ग्रस्त हों। इस समस्या को SCORP जैसे रोबोट्स या कहें कि मैनिपुलेटर रोबोट आसानी से सुलझा देते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार ये रोबोट न सिर्फ चार पैरों से लगभग हर तरह की स्थिति में अच्छे से चल सकता है बल्कि यह अपने रोबोटिक हाथ की मदद से औजार पकड़ने, किसी तरह की जांच करने या फिर खतरनाक सामान को संभालने जैसे काम बेहद आसानी से कर सकता है। इसकी मदद से इंसानों को उन स्थितियों में काम करने की जरूरत नहीं रहती, जो कि उनके लिए खतरनाक हो सकती हैं। बता दें कि SCORP से पहले &Terra रोबोटिक्स SVAN रोबोट्स को विकसित कर चुकी है। इसमें SVAN Mw भारत का पहला कमर्शियल क्वाड्रुपेड रोबोट माना जाता है। चौपाया रोबोट्स की इस पहली सीरीज ने SCORP के लिए आधार बनाने का काम किया था। ये दोनों ही सीरीज के रोबोट AI से लैस और स्वदेशी इंजीनियरिंग की मिसाल हैं। SCORP को खास तौर पर मुश्किल स्थितियों में काम करने के लिए बनाया गया है। यह रोबोट पथरीली जमीन, सीढ़ियों, ढलान और संकरी जगहों में भी स्टेबल होकर काम कर सकता है। इसका खास इंटेलिजेंट गेट एल्गोरिदम इसे ऊबड़-खाबड़ जगहों में संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। यही वजह है कि SCORP इंडस्ट्रियल साइट्स, बड़े प्लांट्स, सुरंगों और आपदा से जूझ रहे इलाकों में बेहद काम का साबित हो सकता है। SCORP में कई हाई-रिज़ॉल्यूशन कैमरे और स्टेरियो डेप्थ सेंसर लगे हैं। इसकी मदद से यह पता लगा सकता है कि मशीनों, पाइपलाइनों या इमारतों में किसी तरह के नुकसान का बेहद सटीक तरीके से अंदाजा लगा सकता है। इसके अलावा इसका रोबोटिक हाथ सामान उठाने, उन्हें चेक करने और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के काम भी आता है। xTerra की वेबसाइट के मुताबिक यह चौपाया रोबोट सिर्फ निगरानी नहीं करता बल्कि अपने आस-पास के माहौल से इंटरैक्ट भी कर सकता है। इसका इस्तेमाल खतरनाक इलाकों की निगरानी, वाहनों की जांच, स्मार्ट शहरों में कचरे के मैनेजमेंट से लेकर फायर सेफ्टी जैसे कामों में भी हो सकता है।

अजब - गजब

385 फीट चौड़े पंख वाला हवाई जहाज , दिलचस्प बनावट के साथ हैं 28 पहिये और 6 इंजन

इंजीनियरिंग की दुनिया में जब भी किसी अजूबे की बात होती है, तो स्ट्रैटोलॉन्च आरओसी का नाम सबसे ऊपर आता है। यह केवल एक हवाई जहाज नहीं है, बल्कि आसमान में उड़ने वाला एक ऐसा भीमकाय ढांचा है जिसे देखकर पहली बार में आंखों पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। अपनी बनावट में यह दो अलग-अलग जेट विमानों के मेल जैसा दिखता है, जिन्हें पंखों के जरिए आपस में जोड़ दिया गया हो। इस विमान का नाम 'ROC' एक पौराणिक विशालकाय पक्षी के नाम पर रखा गया है, जिसके बारे में कहा जाता था कि वह अपनी चोंच में हाथियों को भी उठाकर ले जा सकता था। आज यह विमान अपनी अविश्वसनीय चौड़ाई और शक्ति के कारण पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस विमान की सबसे बड़ी खासियत इसके पंख हैं।

स्ट्रैटोलॉन्च आरओसी के पंखों की कुल चौड़ाई 385 फीट (117 मीटर) है, जो इसे अब तक का सबसे चौड़ा पंखों वाला विमान बनाती है। एक मानक अमेरिकी फुटबॉल मैदान की लंबाई 300 फीट होती है, यानी यह विमान एक पूरे फुटबॉल मैदान से भी कहीं ज्यादा चौड़ा है। इसके दो फ्यूजलेज (विमान का मुख्य हिस्सा) हैं, जिनमें से प्रत्येक की लंबाई 238 फीट है। इस भारी-भरकम ढांचे को संभालने के लिए इसमें कुल 28 पहिये लगाए गए हैं, जिनमें 12 मुख्य लैंडिंग गियर व्हील्स प्रत्येक फ्यूजलेज के नीचे और बाकी नोज गियर व्हील्स शामिल हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक पॉल एलन द्वारा सह-स्थापित इस प्रोजेक्ट का मूल उद्देश्य हवा से ही रॉकेट लॉन्च करना था। हालांकि, उनकी मृत्यु के बाद इस विमान की भूमिका बदल दी गई और अब इसका उपयोग हाइपरसोनिक फ्लाइट टेस्टिंग के लिए किया जा रहा है। इसकी तकनीकी बनावट भी बेहद दिलचस्प है।

इसके पायलट, को-पायलट और फ्लाइट इंजीनियर केवल दाईं ओर के फ्यूजलेज कॉकपिट में बैठते हैं, जबकि बाईं ओर का फ्यूजलेज पूरी तरह से मानव रहित होता है और वहां केवल फ्लाइट डेटा सिस्टम रखे जाते हैं। इतने बड़े आकार के विमान को हवा में उड़ाने के लिए 6 विशालकाय प्रैट एंड व्हिटनी इंजनों का उपयोग किया गया है। प्रत्येक इंजन लगभग 56,750 द्यड्डद्ध का जबरदस्त थ्रस्ट पैदा करता है। इस विमान की पेलोड ले जाने की क्षमता भी आपको हैरान कर देगी। इसका अपना वजन 226796.19 किलो है, लेकिन यह अपने वजन से भी 10% ज्यादा यानी लगभग 250 टन का वजन उठाकर उड़ने में सक्षम है। साल 2011 में पहली बार प्रोटोटाइप के रूप में सामने आने के बाद इसने 2019 में अपनी पहली सफल उड़ान भरी और अब तक यह कुल 24 उड़ानें पूरी कर चुका है।

न्यूज विंडो

भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

इटारसी। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल पुरानी इटारसी के अंतर्गत एस आई आर को लेकर शक्ति केंद्र प्रभारी, सह-प्रभारी एवं मंडल पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक क्षेत्र के विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा के मार्गदर्शन में भाजपा मंडल अध्यक्ष के निवास पर संपन्न हुई। बैठक में आगामी कार्ययोजना,तथा संगठनात्मक जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई एवं विधायक शर्मा ने आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जिसमें मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि जगदीश मालवीय, विधानसभा प्रभारी जयकिशोर चौधरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो, महामंत्री अतुल शुक्ला, मंडल उपाध्यक्ष प्रभारी सौरभ राजपूत,गोविंद मेहतो, वीरेंद्र यादव,जितेंद्र मालवीय, आकाश यादव,मनीष गालर,आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'उम्मीद 2026' दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन

इटारसी। शहर में उम्मीद 2026 दिव्यांगजन व्हीलचेयर एवं स्टैंडिंग क्रिकेट प्रतियोगिता का बुधवार को सफल व गरिमामय समापन हुआ। यह आयोजन 13-14 जनवरी को गांधी स्टेडियम में दिव्यांग दुनिया इटारसी के तत्वावधान में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में व्हीलचेयर और स्टैंडिंग दोनों वर्गों में रोमांचक मुकाबले खेले गए। समापन परिणामों में प्रथम नर्मदापुरम संभाग, द्वितीय भोपाल संभाग, तृतीय इंदौर संभाग की टीमों को प्राप्त हुआ। विभिन्न संभागों व जिलों से आए खिलाड़ियों ने अनुशासन, खेल भावना और अद्भुत जज़्बे का परिचय दिया। समापन अवसर पर क्षेत्रीय विधायक डॉ. सीता शरण शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से आत्मीय मुलाकात कर उनका मनोबल बढ़ाया और कहा कि दिव्यांग खिलाड़ी समाज की प्रेरणा हैं। विधायक डॉ. शर्मा ने आने वाले वर्षों में इटारसी में इससे भी अधिक भव्य व ऐतिहासिक दिव्यांग खेल आयोजनों के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्यों– विनीत यादव, बाबूलाल यादव, नितेश यादव, शेख हसन, बेनीपाल मधु, बलराम दुबे, गौतम अहिरवार, सुनील मेहरा, रोहित सराठे, घनश्याम सोलंकी, कल्लू यादव, प्रिंस यादव, सुभाष एवं ईशान सकतपुरिया का सराहनीय योगदान रहा। समापन कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता मनीष ठाकुर ने आयोजन टीम, समस्त सहयोगकर्ताओं तथा विभिन्न संभागों व जिलों से आए सभी खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास को मजबूत करते हैं और समाज को सकारात्मक दिशा देते हैं। शहरवासियों ने इस आयोजन को इटारसी के लिए ऐतिहासिक, प्रेरणादायक और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने वाला बताया। उम्मीद 2026 ने यह सिद्ध किया कि दिव्यांगता बाधा नहीं, बल्कि संकल्प और आत्मबल की पहचान है।

मकर संक्रांति पर हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई बेतवा में डुबकी

गंजबासौदा। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने बेतवा नदी पहुंचकर स्नान कर डुबकी लगाई। मकर संक्रांति पर्व पर बेतवा नदी के घाटों सुबह से स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ रहीं। लोगों ने घाटों पर पहुंचकर स्नान कर डुबकी लगाकर सूर्य भगवान को जल अर्पण किया। हालांकि की इस बार संक्रांति पर सर्दी का असर कम होने से नदी पर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों आए लोगों ने परिवार सहित बेतवा नदी में स्नान किए। और भगवान को लड्डूओं का भोग लगाकर पूजन अर्चन की। वहीं प्रशासन ने भी सुरक्षा को लेकर विशेष प्रबन्ध किए थे। पर्व पर बेतवा रिपटा घाट प्रतिवर्ष मेला भी लगता है जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोग स्नान के बाद बच्चों के साथ मेले में खरीददारी करते है।

नपा में पार्षद स्व.धर्मदास मिहानी को दी श्रद्धांजलि

इटारसी। नगर पालिका परिषद के वार्ड पार्षद धर्मदास मिहानी के आकस्मिक निधन पर नगर पालिका कार्यालय में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। पार्षद के निधन की खबर से नगर और निकाय प्रशासन में शोक की लहर है। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रितु मेहरा सहित निकाय के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्यालय में एकत्रित होकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने श्री मिहानी के मिलनसार व्यक्तित्व और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। नगर पालिका अध्यक्ष और अधिकारियों ने श्री मिहानी के आकस्मिक निधन को निकाय के लिए एक बड़ी क्षति बताया। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दुख की इस घड़ी में परिवार को संबल प्रदान करें।

सीएम और पुलिस से शिकायतः महिला एवं मुस्लिम युवक पर षड्यंत्र का आरोप

धरमपुरी विधायक को रेप के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर मांगे दो करोड़

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की धरमपुरी विधानसभा से भाजपा विधायक कालुसिंह ठाकुर को ब्लैकमेलिंग करने का मामला सामने आया है। विधायक ठाकुर को रेप के झूठे केस में फंसाने की धमकी मिली हैं, जिसके एवज में दो करोड़ रुपए मांगे गए है। विधायक ने इस बात की शिकायत कलेक्टर से लेकर एसपी को की हैं, किंतु कोई कार्रवाई नहीं होने पर नाराज व परेशान विधायक ठाकुर ने पत्र परिषद आयोजित कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी साझा की थी। इसके बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया और देर शाम धामनोद पुलिस ने महिला पर ब्लेकमेलिंग और धमकाने को लेकर प्रकरण दर्ज किया।

विधायक ठाकुर ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गवलियावाड़ी निवासी महिला व युवक आसिफ अली के साथ मिलकर उन्हें हनी ट्रैप में फंसाने व ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रही है। विधायक का आरोप है कि उनसे गाड़ी सहित करीब 2 करोड़ रुपये की मांग की गई। महिला दीपिका ठाकुर को पहले से नहीं जानते थे। 23 दिसंबर को उक्त महिला धामनोद स्थित उनके स्थानीय कार्यालय पर मदद के लिए पहुंची थी, लेकिन उस समय वे भोपाल में थे। विधायक के भोपाल से वापस ना आने पर महिला एक दिन कार्यालय पर ही रुकी रही। इसके बाद महिला ने विधायक को फोन कर बताया कि उसने भोपाल में किराए पर मकान

लिया है और वहां से सामान उठाना है। इसके अगले दिन महिला विधायक के भोपाल स्थित आवास पर पहुंच गई और 15 हजार रुपये की मदद मांगी। विधायक ने इतनी राशि देने से इनकार कर दिया, जिसके कुछ देर बाद महिला वहां से चली गई। विधायक के अनुसार करीब डेढ़ घंटे बाद महिला ने अपने साथी आसिफ अली के साथ मिलकर फोन पर गाली-गलौज की और कानूनी रूप से फंसाने की धमकी देते हुए उनसे करीब 2 करोड़ रुपये की मांग की। इस घटनाक्रम के बाद विधायक कालू सिंह ठाकुर ने तत्काल इंदौर आईजी और धार एसपी मयंक अवस्थी को फोन कर पूरे मामले की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने धार पहुंचकर कलेक्टर को लिखित शिकायत पत्र भी सौंपा। शिकायत में विधायक ने आरोप लगाया कि संबंधित युवक ने लव जिहाद के तहत हिंदू महिला से विवाह किया है और अब उसी के साथ रहकर उन्हें व क्षेत्र के अन्य लोगों को फंसाने की कोशिश की जा रही है।

मामले की निष्पक्ष जांच कर करें सख्त कार्रवाई

विधायक ने प्रशासन से इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच व सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने यह भी बताया कि इस मामले से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को अवगत कराते हुए न्याय की गुहार लगाई गई है। विधायक ठाकुर ने बताया कि मैं विगत् 35 वर्षों से क्षेत्र के लोगों से जुड़े होकर निर्वाचित जनप्रतिनिधि के रूप में जनता के लिये कार्य कर रहा हूं। इस प्रकार झूठे प्रकरणों से जनता के बीच में मेरी छवि धूमिल हुई है। प्रकरण की वस्तुस्थिति से मेरे द्वारा डीआईजी इंदौर, जिला कलेक्टर, धार, पुलिस अधीक्षक, धार तथा पुलिस थाना धामनोद को शिकायत की जाकर अवगत कराया गया हैं कि उक्त गिरोह के विरूद्ध निष्पक्ष जांच कर इनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, जिससे कोई हिन्दू लड़की तथा समाज का प्रतिष्ठित व्यक्ति भविष्य में इनके जाल में फसकर षडयंत्र का शिकार न हो।

प्रकरण दर्ज, पड़ताल जारी

विधायक कालुसिंह ठाकुर की ओर से शिकायती आवेदन प्राप्त हुआ था, अलग-अलग नंबरों से दो आरोपी का नाम सामने आया, जिसमें एक महिला और उसके पति आसिफ अली द्वारा ब्लैकमेलिंग करने का मामला सामने आया था, शुरुआती जांच के आधार पर प्रकरण दर्ज किया है, विस्तृत जांच की जा रही है।

– **मोनिका सिंह**, एसडीओपी धरमपुरी

कैनो सलालम प्रतियोगिता

C1 जूनियर वर्ग में प्रदेश के अभय कहार ने जीता स्वर्ण पदक

महेश्वर। दोपहर मेट्रो

नर्मदा नदी के तट पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कैनो सलालम प्रतियोगिता में आज सी1 जूनियर पुरुष एवं महिला वर्ग के मुकाबले उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुए। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

सी1 जूनियर पुरुष वर्ग में मध्य प्रदेश के अभय कहार ने बेहतरीन तकनीक और संतुलन का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मेघालय के इंद्र शर्मा ने कड़े मुकाबले में रजत पदक हासिल किया, जबकि आंध्र प्रदेश के प्रधु डी ने कांस्य पदक जीतकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं सी1 जूनियर महिला वर्ग में मध्य प्रदेश की सलोनी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। मेघालय की रियांका ने रजत पदक प्राप्त किया, जबकि आंध्र प्रदेश की डी. चेतना ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के हौसले बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और प्रशिक्षक मौजूद रहे। आयोजकों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को जल क्रीड़ा के प्रति प्रेरित करते हैं और भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

जीवन में जब तक आपसी स्नेह व खुशी है, जीवन रुपी पतंग उड़ती रहेगीः रुक्मणी

गंजबासौदा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय बरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र द्वारा मकर संक्रांति का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया जिसमें सर्वप्रथम दिव्यगुणों से सुन्दर सजी पतंगों को सभी ने मिलकर उड़ाया जिसमें सुख, शांति, आनंद, प्रेम, पवित्रता, खुशी, आनन्द आदि अध्यात्मिक संदेश दे रहे थे। भारत में मकर संक्रांति का पर्व हरियाली, सुख, समृद्धि, अन्न से भरपूर होने का प्रतीक है। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने उपस्थित लोगों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पवित्र पर्व है जो मनुष्य को जीवन श्रेष्ठ बनाने का संदेश देता है। मकर संक्रांति पर सूर्य मकर राशि की और आगे गमन करता है दिन परिवर्तन होता है खुशियों भरा त्यौहार है जिसमें पतंग उड़ाने का आध्यात्मिक अर्थ यही है हम जीवन में खूब उन्नति करें पंख लगा कर उड़े, हिम्मत और साहस के साथ उड़े, जीवन में खूब तरक्की करें लेकिन स्नेह की डोर के साथ बंधे रहना मर्यादाओं की, नियम की और संयम की तभी हमारे जीवन में सुख शांति संभव है। जीवन में कई बातें उलझाने वाली होती हैं हमारे अंदर मनमोटाव हो जाता है।

तकनीकी टीम के साथ सीएमओ ने किया कोरीघाट नाले का निरीक्षण

पानी शुद्ध करने ओजोनाइजेशन तकनीक पर की चर्चा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे के मौखिक आदेश के क्रम में होशंगाबाद (नर्मदापुरम) के कोरी घाट स्थित उस नाले का निरीक्षण किया गया, जो नर्मदा नदी में मिल रहा है। इस अवसर पर नगर पालिका की सीएमओ हिमेश्वरी पटले, आर्किटेक्ट रितेश यादव एवं ओआरएआईपीएल कंपनी के डायरेक्टर विशाल उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान नाले के जल को नर्मदा नदी में मिलने से पूर्व ओजोनाइजेशन तकनीक द्वारा शुद्ध करने पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रस्तावित योजना के अंतर्गत एक सुव्यवस्थित प्रणाली स्थापित कर इस जल को स्नान योग्य स्तर तक लाने का लक्ष्य रखा गया है।

यह पहल नर्मदा नदी की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं शहरवासियों के स्वास्थ्य की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। प्रशासन द्वारा शीघ्र ही इस योजना को अमल में लाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। विधायक डॉ सीताशरण शर्मा और नपाध्यक्ष नीतू

महेंद्र यादव ने कहा कि नागरिकों की आस्था को देखते हुए उक्त नाला जल्द से जल्द बंद होना चाहिए और मां नर्मदा में सीधे इसका पानी नहीं मिलना चाहिए।

सेना दिवसः नर्मदापुरम में वीर नारियों व पूर्व सैनिकों का किया सम्मान

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टर कार्यालय के रेवा सभा कक्ष में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों के सम्मान में भव्य सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिले की सभी तहसीलों से पहुंचे पूर्व सैनिकों ने इस अवसर पर एकजुट होकर राष्ट्रभक्ति का परिचय दिया।सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साईकृष्णा एस. थोटा और एडीएम राजीव रंजन पांडेय ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इसके बाद शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया और सभी ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया। मुख्य अतिथियों ने वीर नारियों को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह दिन पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और विकलांग सैनिकों के प्रति राष्ट्र का आभार व्यक्त करने का अवसर है। वे न केवल देश की संप्रभुता की रक्षा करते हैं, बल्कि आपदाओं में भी अग्रणी भूमिका निभाते हैं। हमें उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए।

औबेदुल्लागंज पुलिस ने जुआ खेलते 9 जुआरी किए गिरफ्तार, 34,860 रुपए नकदी बरामद

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

आगामी त्योहारों के मद्देनजर अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत औबेदुल्लागंज पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। थाना प्रभारी निरीक्षक बी.पी. सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बरखेड़ा रोड स्थित श्मशान घाट के पास एक खंडहर में दबिश देकर ताश के पत्तों पर दांव लगाते 09 आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि खंडहर में जुआ खेला जा रहा है। घेराबंदी के दौरान मौके से 34,860 नगद और ताश की गड्डी जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में वीरेंद्र डागर, राजेश केवट, जितेंद्र यादव, मोनू उईके, अनवर खान, अरविंद लोधी, दिलीप खरे, पवन कुमार और लीलाधर रैकवार शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 13

जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। नियमानुसार कम सजा का प्रावधान होने के कारण आरोपियों को न्यायालय में पेश होने का नोटिस थमाया गया है। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक संतोष सिंह सहित प्रधान आरक्षक अभिषेक चौधरी, राजेश धाकड़ और धनराज यादव की मुख्य भूमिका रही।

मेट्रो एंकर

मकर संक्रांति पर औबेदुल्लागंज में पहली बार पतंग महोत्सव का आयोजन

रोमांचक मुकाबले में पतंगबाजों ने दिखाया दम, जीते पुरस्कार

अमित श्रीवास्तव। औबेदुल्लागंज

नगर में मकर संक्रांति के पावन पर्व पर एक नई और ऐतिहासिक परंपरा की शुरुआत हुई। स्थानीय कृषि फार्म (सब्जी बाजार) में पहली बार आयोजित पतंग महोत्सव में शहरवासियों का भारी उत्साह देखने को मिला। कड़े मुकाबले के बीच दिलीप जायसवाल ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चली इस प्रतियोगिता में शहर के 50 से अधिक अनुभवी पतंगबाजों ने हिस्सा लिया। पेंच लड़ाने के इस रोमांचक खेल में दिलीप जायसवाल ने निर्धारित समय के भीतर सर्वाधिक 7 पतंगें काटकर प्रथम स्थान हासिल किया और नगर के पहले पतंग योद्धा का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में बच्चों, महिलाओं

और पुरुषों की भारी उपस्थिति ने माहौल को उत्सव में बदल दिया। इस प्रथम आयोजन में शहर के जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने शिरकत कर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नपाध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे, भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, नपा उपाध्यक्ष नमिता बागीश अग्रवाल, प्रमोद सेन पार्षद, भारती नरेश सेठी, सर्वेश मित्तल, कृष्ण गोपाल वैष्णव, हरपाल सिंह राजपूत शामिल हुए।

अब हर साल सजेगा पतंगबाजी का मैदान

आयोजन समिति ने घोषणा की कि जनता के अपार समर्थन को देखते हुए अब यह महोत्सव प्रतिवर्ष मकर संक्रांति पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन किया गया और चायनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध रहा। इस सफल आयोजन में सपन श्रीवास्तव, मनीष साहू, गुरु यादव, राहुल जाट, आशु, हिमांशु राजपूत, अमित नागर, अतुल सेन, सुधीर द्विवेदी और विवेक जैन सहित पूरी टीम का सराहनीय योगदान रहा।

न्यूज विंडो

धार में जानलेवा मांझा से पतंग उड़ाने वाले तीन लोग गिरफ्तार

धार। शहर में मकर संक्रांति पर्व मनाया गया, सुबह से ही युवा घरों की छतों पर पतंगबाजी करते नजर आए। पतंगबाजी के शौक में कोई चायना मांजे की चपैट में नहीं आए, इस बात क ध्यान पुलिस द्वारा रखा गया। पुलिस द्वारा पूरे दिन छतों से नजर रखी गई, जिन स्थानों पर सूचना भी पुलिस को मिली। वहां पर पहुंचकर लोगों को समझाईश देते हुए चायना मांझा जब्त किया। इधर प्रतिबंधित जानलेवा मांझा के खिलाफ चैकिंग अभियान पुलिस का पर्व के दिन भी जारी रहा, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक बाल अपचारी सहित कुल तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि तीन व्यक्ति शास्त्री कालोनी धार, लक्की चौराहे के पास प्रतिबंधित मांझे से पतंगबाजी कर रहे हैं। मुखबिर सूचना पर लक्की चैराहा के पास पहुंचे जहां मुखबिर के द्वारा स्थान पर पतंगबाजी कर रहे व्यक्ति के पास पहुंचे तो तीन व्यक्ति पतंगबाजी करे थे। पुलिस ने ललित प्रजापत पिता अशोक प्रजापत उम्र 27 साल निवासी शास्त्री कालोनी व मयंक पिता सुनील प्रजापत उम्र 21 साल निवासी शास्त्री कालोनी धार सहित बाल अपचारी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान के अनुसार कोई भी चाइनीज धागे का प्रयोग न करें और न ही इसकी खरीद - फरोख्त में शामिल हो। यदि कहीं भी इस प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस थाना कोतवाली पर सूचना दें।

दीदीयों ने अपने सपने लिखकर खुशी के साथ पतंगे उड़ाईं

सागर। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला सागर की विभिन्न विकासखंडों कि समूह से जुड़ी महिलाओं ने मकर संक्रांति के पर्व को एक नए तरीके से मनाने का नायाब तरीका होना पेश किया। हौसले की उड़ान कार्यक्रम के अंतर्गत सभी विकासखंडों में महिलाओं ने एकत्रित होकर पूजन किया तिल, गुड़ के लड्डू आपस में बांटे और जमकर पतंग बाजी, रंगोली निर्माण भजन व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। मकर संक्रांति के पर्व को खुशियों का पर्व महिलाओं के हौसले की बुलंदियों का पर्व महिलाओं के हौसले की उड़ान पर्व के रूप में मनाया। महिलाओं को भी पुरुषों के समान अवसर प्राप्त हो वह भी अपनी खुशियों को अभिव्यक्त कर सके और इस अभिव्यक्ति के लिए उन्हें समुचित मंच उपलब्ध हो इसी भावना की प्रतिपूर्ति के लिए हौसले की उड़ान का आयोजन जिले के सभी विकासखंडों में किया गया. यंग प्रोफेशनल आनंद झा के अनुसार महिलाओं ने परंपरा से जोड़कर अपनी खुशियों को अभिव्यक्त करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम पूजन भजन के अलावा पतंग की डोर को थाम कर आसमान में उड़ती पतंग के प्रतिरूप में अपने हौसलों को अभिव्यक्त किया है।

सुबह माता-पिता को प्रणाम करके कार्य करना चाहिए: मनोज व्यास

सागर। श्री रामबाग मंदिर में चल रही संगीतमय श्री राम कथा के सातवें दिन कथा व्यास पं. मनोज व्यास मधुर ने कहा कि संतों की कृपा से ही भगवत कृपा मिलती है। भक्त ध्रुव,प्रहलाद को नारदजी की कृपा से ही ठाकुर जी के दर्शन और कृपा मिली। श्रीराम कथा सुनाते हुए पं. व्यास ने बताया कि जब श्री राम सभी भाइयों सहित विद्या अर्जन कर लौटे. सभी भाई प्रति दिन प्रातः काल उठकर सबसे पहले माता पिता को प्रणाम करते हैं। हम सबको भी अपने माता-पिता को प्रणाम करके और उनकी आज्ञा लेकर अन्य कार्य करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जब मुनि विश्वामित्र अयोध्या आए तो राजा दशरथ ने उनका स्वागत कर सिंहासन पर बिठाकर भोजन कराया तब मुनि ने सोचा हम सोचते थे भगवान वन में उपवास और तप करके मिलते हैं लेकिन ईश्वर की कृपा से ठाकुर जी भोजन करने के बाद घर में भी मिल जाते हैं। इसके बाद मुनि विश्वामित्र राम लक्ष्मण को लेकर वन में गए जहां ताड़का का वध किया। मुनि के आश्रम में पहुंचे और राक्षस सुबाहु का वध कर यज्ञ पूर्ण कराया। वहां से आगे चले और रास्ते में प्रभु राम ने अपने चरण रज से उद्धार किया। इसके बाद मुनि श्री राम लखन को जनकपुरी ले गए जहां सीता स्वयंवर के लिए धनुष यज्ञ का आयोजन किया गया है। पं. व्यास ने राम लखन का नगर भ्रमण और पुष्प वाटिका प्रसंग सुनाया। प्रभु राम धनुष यज्ञ में पहुचें. श्री राम ने धनुष भंग किया और जानकी जी ने उन्हें जयमाला पहनाई।

मशहूर सिंगर मानसी घोष की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मालथौन में गौरव दिवस संपन्न

गौधाम में गौ अभ्यारण्य और गीता भवन बनेगा, मंदिरों का होगा नवनिर्माण: भूपेन्द्र

सागर। दोपहर मेट्रो

खुरई विधानसभा क्षेत्र के मालथौन के लिए घोषित किया गया गौ अभ्यारण्य सिद्ध क्षेत्र गौधाम में बनाया जाएगा। गऊधा धाम में 5 करोड़ की लागत से गीता भवन बनेगा जो सभी धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन स्थल होगा। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने यहां आयोजित मालथौन गौरव दिवस के मंच से यह घोषणा की । उन्होंने कहा कि मालथौन का गौधाम एक बड़े धार्मिक तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा। मालथौन गौरव दिवस पर प्लेबैक सिंगर मानसी घोष की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि गौधाम के प्रति लोगों की आस्था प्राचीन काल से रही है। मकर संक्रांति पर लगने वाले मेले में यहां के दिव्य कुंड, प्राचीन हनुमान जी मंदिर और प्राचीन शिव मंदिर के दर्शन करने हजारों लोग आते रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहली बार खुरई विधानसभा क्षेत्र के जन-प्रतिनिधि के रूप में जब मैं यहां आया तो यह सिद्ध क्षेत्र जीर्ण-शीर्ण अवस्था में था। 5 करोड़ की लागत से गऊधा धाम कुंड के सौंदर्यीकरण और गहरी करण कार्य के बाद इस क्षेत्र को उसका सांस्कृतिक वैभव लौटाने के प्रयास शुरू किए गए थे। यहां तक पहुंचने के लिए अच्छी सड़क भी बनवाई गई। सिंह ने कहा कि गऊधा धाम में 150 एकड़ सरकारी भूमि है जिस पर गौ अभ्यारण्य बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 5 करोड़ से बनने वाले गीता भवन में कई कमरे, बड़ा हाल जैसी सभी सुविधाएं होती हैं। मालथौन व आसपास के लोग अपने कथा,पूजा,यज्ञ और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए गीता भवन का उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि गऊधा धाम के भगवान शिव तथा हनुमान जी मंदिरों को पुनः उनकी प्राचीन शैली में भव्य स्वरूप के साथ निर्मित करना है। इसका नक्शा बन चुका है और जल्दी ही इस पर काम शुरू करेंगे।

उन्होंने कहा कि अगले वर्ष से गौधाम मेले और मालथौन गौरव दिवस को तीन दिवसीय आयोजन के रूप में किया जाएगा। इस मेले में 500 से अधिक दूकानें लग रही हैं जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को लाभ होता है। भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मालथौन के लिए मल्टी पर्पज स्पोर्ट्स कांप्लेक्स की सौगात दी है जिसमें सभी खेलों की उच्च स्तरीय मानकों की सुविधाएं होती हैं। उन्होंने कहा कि इस स्पोर्ट्स कांप्लेक्स से मालथौन की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल मंचों तक जाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

इंडियन आइडल-2025 की विजेता की प्रस्तुतियों ने समां बांधा, झूमे श्रोता

मालथौन गौरव दिवस कार्यक्रम में इंडियन आइडल-2025 की विजेता प्लेबैक सिंगर मानसी घोष और उनकी टीम की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को उत्साह और उमंग से सराबोर कर दिया। मानसी ने चोरी किया रे गाने से अपना परफार्मेंस शुरू किया। सोनू निगम के प्रसिद्ध गीत ये दिल, दीवाना है ये दिल जैसी तड़कती भड़कती प्रस्तुतियों से जहां उन्होंने युवा दर्शकों को झूमने मजबूर किया। वहीं अजीब दास्तां है ये जैसे पुराने हिट गीत सुना कर पारंपरिक श्रोताओं को रिझाया। युवा नेता अविराज सिंह ने मंच पर सिंगर मानसी घोष को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। अविराज सिंह ने स्वयं भी मंच से शोले का गीत ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे सुना कर क्षेत्र की जनता का मन मोह लिया। संचालन आकाश जैन ने किया। कार्यक्रम में एसडीएम मनोज चौरसिया नगर परिषद अध्यक्ष जयंत सिंह बुंदेला, उपाध्यक्ष मालती अहिरवार, मीना कुशवाहा, विश्वनाथ लोधी बांदरी, अरविंद सिंह लोधी, नीतेश यादव, अनिल पाराशर, राजेंद्र सिंह दरी, सीएमओ राजेश मेहतेल, आशीष पटैरिया, आशा देवेंद्र सिंह, सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धर्मांतरण-गोमांस खिलाने का मामला

किन्नर ने किया सुसाइड मचा सियासी बवाल

सागर। जिले में एक संवेदनशील मामला सामने आया है, जहां इतवारी टौरी निवासी किन्नर मोना अहिरवार ने मंगलवार को टीकमगढ़ जिले के पिली के मुंडेपुर इलाके में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामला सामने आने के बाद देर रात उसकी गुरु रानी ठाकुर देर रात मोतीनगर थाने पहुंची। उन्होंने आरोप लगाया कि मोना ने गुरु किरण नायक उर्फ कलीम खान के दबाव में आकर यह कदम उठाया है। मोतीनगर थाने में दिए आवेदन में उन्होंने आरोप लगाया कि गुरु किरन उर्फ कलीम खान, नैना और दो पुरूष मिलन राजा, संटू ढोलक कथित तौर पर जबरन धर्म परिवर्तन और गोमांस खाने के दबाव बनाते थे, विरोध करने पर मारपीट भी करते थे। थे। आरोप है कि इसी दबाव के कारण मोना ने आत्महत्या की है। मामले में हिंदू संगठन के लोग भी मोतीनगर थाने पहुंचे थे। रानी ने आरोप लगाया कि उन्हें गोमांस खाने के लिए मजबूर किया जाता था। मंदिर जाने से रोका जाता था। विरोध करने पर मारपीट की जाती थी, जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी उनके पास मौजूद है। मोना को इसी तरह का दबाव सहना पड़ रहा था। जिसके बाद उसने आत्मघाती कदम उठाया। रानी ने कहा कि मुझे एक कॉल के जरिए यह सूचना मिली थी। वीडियो से लगता है कि उसे मारकर टांगा है।

खरगोन से लाए थे हथियारों की खेप, पांच तस्करों को पकड़ा

32 बोर की 12 पिस्टल, 20 जिंदा राउंड और 8 मैगजीन भी जब्त, आरोपियों से पूछताछ जारी

मुरैना। दोपहर मेट्रो

खरगोन से हथियारों की खेप लेकर आए पांच तस्करों को थाना बानमोर पुलिस ने पकडकर रिमांड पर लिया है। आरोपी दस से बीस हजार रुपए में खरीदकर लाए और मुरैना- ग्वालियर में 50 से 60 हजार रुपए में प्रति नग बेच रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 32 बोर 12 पिस्टल, 20 जिंदा राउंड और आठ मैग्जीन जब्त की हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि आखिरकार ये हथियार कहां पर सप्लाई करने ले जा रहे थे और अभी तक कहां कहां सप्लाई किए जा चुके हैं।

जानकारी के अनुसार निरीक्षक दीपेन्द्र सिंह यादव थाना प्रभारी बानमोर ने पुलिस फोर्स के साथ मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए भैरव मंदिर के पास वाली मोड़ सीतापुर जखौदा के पास से आरोपी भानू गौड़, मोनू गुर्जर, रामलखन कुशवाह को पकड़ा, उनकी तलाशी ली गई तो इनके पास दस पिस्टल 32 बोर, 11 जिंदा राउंड एवं आठ मैग्जीन मिलीं। जिनकी कीमत 3.18 लाख रुपए बताई गई है। उक्त आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अवैध हथियारों के व्यापार व तस्करी हेतु उक्त हथियार खरीदना बेचना स्वीकार किया गया। पुलिस ने गिरफ्तार तीनों आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ की उन्होंने अपने अन्य 02 साथी विवेक उर्फ माफीया एवं राज पुत्र पूरन गोस्वामी के संबंध में भी जानकारी दी गई, जिसके आधार पर उक्त दोनों आरोपियों को थाना बानमौर एवं सिविल लाइन मुरैना क्षेत्र से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से क्रमशः 01-01 अवैध 12 बोर की पिस्टल एवं 02-02 जिंदा राउण्ड कीमती करीबन 60 हजार के जब्त किए गए। भानू पुत्र मुकेश गौड़ निवासी गायत्री मंदिर के पास पुराना जौरा के खिलाफ जुआ, मारपीट, आर्म्स एक्ट सहित तीन मामले दर्ज हैं। मोनू उर्फ मोहन उर्फ पप्पा पुत्र पदम सिंह गुर्जर निवासी पगारा रोड जौरा के खिलाफ हत्या के प्रयास एवं बलवा की धाराओं में मामला दर्ज है। रामलखन पुत्र स्व. हरिप्रसाद कुशवाह निवासी कुशवाह मार्केट डी डी नगर ग्वालियर के दो अपराध एवं विवेक उर्फ माफिया पुत्र सुरेश गुर्जर निवासी गंगाराम का पुरा बानमोर मुरैना के खिलाफ चोरी, मारपीट सहित चार मामले दर्ज हैं।

'अकेले आना, जो कहूंगा करना पड़ेगा', कॉलेज प्रोफेसर ने छात्रा को किया फोन, ऑडियो वायरल

सिंगरौली। दोपहर मेट्रो

पीएम एक्सीलेंस कॉलेज वैढ़न में एक अतिथि विद्वान पर शादीशुदा छात्रा से पेपर पास कराने के बदले दबाव और आपत्तिजनक बातचीत का गंभीर आरोप लगा है। छात्रा के पति भारतीय सेना में पदस्थ हैं। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराई है। मामला सामने आने के बाद कॉलेज प्रबंधन ने जांच की बात कही है। छात्रा का जियोलॉजी विषय का एक पेपर छूट गया था। जिसे पास करने के लिए उसे एक साल इंतजार करना पड़ता। इसी को लेकर उसने संबंधित अतिथि विद्वान से संपर्क किया।

आरोप है कि रात करीब 10.30 बजे अतिथि विद्वान ने छात्रा को वाट्सएप कॉल किया और कहा कि तुम्हारा पेपर करवा दूंगा। अकेले आना, जो मैं कहूंगा, वह करना पड़ेगा। यह बात किसी को मत बताना। छात्रा के पति ने कहा कि इस गंभीर मामले की शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई है। पति ने कहा कि बातचीत का लहजा अशोभनीय और दबाव बनाने वाला था। पत्नी ने कॉल के तुरंत बाद पूरी जानकारी दी। पति का कहना है कि कॉल के स्क्रीनशॉट उनके पास मौजूद हैं। लेकिन सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद भी तत्काल कोई कार्रवाई नहीं हुई। अतिथि विद्वान डॉ. शिवेश साकेत ने सभी आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना है कि छात्रा और उसके पति दबाव बनाने के उद्देश्य से आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने सफाई दी है कि कल आना कहने का अर्थ कार्यदिवस था, न कि रविवार। किसी भी तरह की आपत्तिजनक बातचीत नहीं की।

जिले के नोडल अधिकारी ने विभिन्न शासकीय योजनाओं की समीक्षा की

सागर। दोपहर मेट्रो

नगरीय निकायों मे संचालित केंद्र एवं राज्य प्रवर्तित पेयजल एवं सीवरेज की योजनाएं तथा निकाय की पेयजल व्यवस्था एवं अन्य सम-सामयिक विषयों एवं योजनाओं की समीक्षा की जा रही है। प्रत्यक्ष अवलोकन एवं निरीक्षण के लिए शासन द्वारा नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी नगरीय विकास एवं आवास विभाग भोपाल के उप संचालक हिमांशु भट्ट ने सागर प्रवास के दौरान नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री की उपस्थिति में शासन की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सीवर प्रोजेक्ट, टाटा, अमृत योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक के उपरांत भट्ट ने राजघाट जल आवर्धन परियोजना का निरीक्षण किया और वहां पर जलशोधन संयंत्र,रा वाटर, लैब का निरीक्षण कर पानी की गुणवत्ता की जांच के बारे में जानकारी ली । इस दौरान उन्होंने अभी तक की गई पानी की गुणवत्ता की जांच का रिकार्ड भी चैक किया और शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सहायक यंत्री संजय तिवारी, उपयंत्री रामाधार तिवारी, राहुल रैकवार, केमिस्ट कौतुकेय सिंह, एमपीयूडीसी के आकाश अग्रवाल सहित टाटा प्रोजेक्ट के अधिकारी उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर | **विधायक गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता में हुआ रोमांचक मुकाबला**

उमरिया ने पेंड्रा को पराजित कर किया बाहर

शहडोल/बूटार । दोपहर मेट्रो

नगर के स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन के मुकाबले में पैराडाइज क्लब उमरिया ने पेंड्रा को पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया ।

मैच का टॉस पैराडाइज क्लब उमरिया ने जीता , पिच का मिजाज भांपते हुए उमरिया के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया , पगले बल्लेबाजी करते हुए उमरिया की टीम ने निर्धारित बीस ओवरों में आठ विकटों के नुकसान पर 183 रन बनाए , उमरिया की तरफ से बल्लेबाज दीपक ने 30 एवं अभिराज ने 27 रन बनाए , पेंड्रा की ओर से गेंदबाज मिराज खान एवं अभिजीत मंडल ने 3-3 विकेट हासिल किए। 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पेंड्रा की टीम ने शानदार शुरुआत की, शुरुआती ओवरों से तेजी से रन भी बने किंतु टीम को मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने निराश किया, बेहतरीन शुरुआत के बाद भी पेंड्रा की टीम अपने लक्ष्य को नहीं पार कर पाई और यह मुकाबला 20 रनों से गंवा दिया , पेंड्रा की तरफ से सलामी बल्लेबाज डेसमंड ने 42 रन और पवन ने 29 रन बनाए। उमरिया की ओर से दीपक और जिज्ञास ने 2-2 विकेट लिए। उमरिया टीम की ओर से शानदार आलराउंड प्रदर्शन करने वाले दीपक को मन ऑफ द मैच घोषित किया गया , जिन्हें भाजपा मंडल बकहो के उपाध्यक्ष अनुपम सिंह सेंगर ने पुरस्कृत किया। टूर्नामेंट में आज उमरिया टीम के प्रायोजक राजवाड़ा रेस्टोरेंट के राजकुमार गुप्ता एवं अभिनव द्विवेदी रहे जबकि पेंड्रा टीम के प्रायोजक साईं टेंट एंड केटर्स के संचालक देवी सिंह सेंगर रहे । मैच में अंपायरिंग आनंद त्रिपाठी और हेमंत सिंह ने की, जबकि मैच का आंखों देखा हाल कलाम मोहम्मद, अजय द्विवेदी और सुधीर शर्मा ने सुनाया।

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
SAI

(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)

कमरा संख्या 210, SAI - मुख्यालय भवन, SAI- मुख्यालय,
जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर (पूर्वी द्वार संख्या 10)
लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

फाइल संख्या: ए / 7 /2025 - भर्ती प्रकोष्ठ

भारतीय खेल प्राधिकरण संविदा आधार पर वरिष्ठ प्रमुख (खेल विज्ञान) के पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है ।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संगठन, भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), वरिष्ठ लीड (खेल विज्ञान) के 01 पद पर संविदा आधार पर अधिकतम 04 वर्षों की अवधि के लिए पात्र, योग्य और प्रेरित भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित करता है। पद का विवरण और अन्य जानकारी एसएआई की वेबसाइट http://sportsauthorityofindia.nic.in पर उपलब्ध है । आवेदन करने की समय सारिणी नीचे दी गई है: --

i. आवेदन पत्र जमा करने की तिथि: 02.01.2026 (सुबह 10:00 बजे)
ii. आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि: 01.02.2026 (शाम 05:00 बजे)

(उपनिदेशक)
(मानव संसाधन विभाग- II)
(भाखेप्रा मुख्य कार्यालय)

cbc-47103/12/0016/2526

आयुष का चयन अनुचित

श्रीकांत ने चयन समिति पर लगाया पक्षपात का आरोप!

नई दिल्ली। भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए टीम चयन को लेकर विवाद गहरा गया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने आयुष बदोनी को टीम में शामिल किए जाने पर कड़ा एतराज जताते हुए चयन प्रक्रिया पर पक्षपात और असमान मानदंडों के आरोप लगाए हैं। उनका मानना है कि बदोनी के हालिया प्रदर्शन चयन के योग्य नहीं थे, फिर भी उन्हें टीम में जगह मिली।

चयन पूरी तरह अनुचित- सिलेक्शन पर सवाल उठाते हुए श्रीकांत ने कहा कि घरेलू और आईपीएल दोनों स्तरों पर बदोनी का हालिया प्रदर्शन वनडे टीम में शामिल होने लायक नहीं है। उनके शब्दों में, ऐसे प्रदर्शन के आधार पर चुना जाना बिल्कुल अनुचित है। इस तरह तो चयन का कोई पैमाना ही नहीं रह जाता। श्रीकांत ने दावा किया कि चयन में उपयोग किए जाने वाले मानदंड स्पष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा, कुछ खिलाड़ियों से कहा जाता है कि रन बनाओ तभी मौका मिलेगा। लेकिन कुछ लोगों को बिना कुछ किए भी चुन लिया जाता है। यह डोमेस्टिक खिलाड़ियों के लिए गलत संदेश है।

आईपीएल प्रदर्शन पर भी उठे सवाल

श्रीकांत ने बदोनी के आईपीएल प्रभाव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, कोई मुझे उसका एक बड़ा मैच याद दिला दे? वह मैच अपने दम पर नहीं चला सकता। उन्होंने बदोनी की हिटिंग क्षमता पर भी कटाक्ष किया, उसके पास वो पावर-हिटिंग नहीं है, वह अनोखे शॉट्स से चलता है, वनडे में ऐसा नहीं चलता।

ऑल-राउंडर टैग पर सवाल

बदोनी को ऑल-राउंडर के रूप में देखने पर श्रीकांत और यादा नाराज़ थे। उन्होंने कहा, सिर्फ इसलिए कि किसी मैच में तीन विकेट ले लिए तो उसे ऑल-राउंडर बना दो? आईपीएल में कितनी बार उसे गेंदबाजी करते देखा है? उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि ऑल-राउंडर चाहिए था तो अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी क्यों बाहर रहे।

ऋतुराज-अक्षर का उदाहरण

श्रीकांत ने ऋतुराज गायकवाड़ को बाहर रखने पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, पिछली वनडे सीरीज में सेंचुरी बनाने के बावजूद ऋतुराज बाहर है। उसने कौन सा गुनाह किया? उन्होंने पूछा कि अगर ऑल-राउंडर की जरूरत थी तो अक्षर पटेल को क्यों नहीं चुना गया।

मेंस हॉकी प्रीमियर लीग 2026

टॉम बून के 5 गोल ने रॉयल्स को दिलाई पाइपर्स पर शानदार जीत, कलिंगा लांसर्स ने तूफान को हराया

रांची। मेंस हॉकी प्रीमियर लीग (एचआईएल) 2026 में खेले गए मुकाबलों में वेदांता कलिंगा लांसर्स और रांची रॉयल्स ने जीत दर्ज की। लगातार चौथी जीत के साथ कलिंगा लांसर्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में एलेक्जेंडर हेन्ड्रिक्स ने मैच का एकमात्र गोल करते हुए वेदांता कलिंगा लांसर्स को हैदराबाद तूफान के खिलाफ 1-0 से जीत दिलाई। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच ज्यादा फर्क नहीं था। शुरुआती 15 मिनट में दोनों टीमों ने चार-चार बार सर्कल में एंट्री की, लेकिन गोल नहीं हो सका। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में दोनों टीमों ने ज्यादा आक्रामकता दिखाई और एक-एक पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किया। हालांकि, रोमांचक पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। हैदराबाद तूफान ने दूसरे हाफ की शुरुआत में खेल की गति को नियंत्रित करते हुए लांसर्स के डिफेंस को तोड़ने का रास्ता खोजने की कोशिश की। इसके बजाय, लांसर्स को ही मुकाबले का पहला गोल मिल गया।

न्यूजीलैंड का भारत में वनडे का सबसे सफल रन चेज

भारतीय गेंदबाजों पर भारी पड़ी मिचेल-विल यंग की साझेदारी

राजकोट, एजेंसी

डेरिल मिचेल के नाबाद शतकीय पारी और विल यंग तथा ग्लेन फिलिप्स की शानदार पारियों से न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे में भारत को सात विकेट से हराया। भारत ने केएल राहुल के शतक की बदौलत 50 ओवर में सात विकेट पर 284 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने मिचेल के 117 गेंदों पर 11 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 131 रन की पारी के सहारे 47.3 ओवर में तीन विकेट पर 286 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गई। यह जीत न्यूजीलैंड के लिए कई मायनों में खास रही। यह 2023 के बाद भारत के खिलाफ वनडे में उनकी पहली जीत है, इससे पहले उन्हें लगातार आठ मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं भारत में भी न्यूजीलैंड ने 2017 के बाद पहली बार वनडे मुकाबले में भारत को हराया है, जहां उसे लगातार आठ मैचों में शिकस्त मिली थी।

न्यूजीलैंड का वनडे में सबसे सफल रन चेज- लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने दो विकेट जल्दी गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद डेरिल मिचेल और विल यंग ने तीसरे विकेट के लिए 162 रनों की अहम साझेदारी कर मैच का रुख पलट दिया। यंग शतक से चूक गए और 98 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 87 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मिचेल ने ग्लेन फिलिप्स के साथ पारी को संभाला और टीम को जीत तक पहुंचाया। फिलिप्स ने 25 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 32 रन बनाए। भारत की ओर से हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला। रिकॉर्ड्स की बात करें तो, यह भारत में वनडे क्रिकेट में न्यूजीलैंड द्वारा किया गया अब तक का सबसे बड़ा सफल रन चेज है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ सफल लक्ष्य पीछा 2017 में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 281 रन का था। कुल मिलाकर भारत के खिलाफ वनडे में न्यूजीलैंड का यह पांचवां सबसे बड़ा सफल रन चेज रहा, जिसमें 2020 में हैमिल्टन में 348 रन का रिकॉर्ड शीर्ष पर है। इसके अलावा राजकोट में यह पांच मैचों में पहली बार हुआ जब लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को जीत मिली।

केएल राहुल ने जड़ा शतक

इससे पहले, केएल राहुल की नाबाद शतकीय पारी के दम पर भारत ने न्यूजीलैंड के सामने 285 रनों का लक्ष्य रखा। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। केएल राहुल ने 92 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 112 रन बनाए जिसके दम पर भारत ने 50 ओवर में सात विकेट पर 284 रन बनाए। भारत के लिए राहुल के अलावा शुभमन गिल ने 56 रन बनाए, जबकि अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके।

सस्ते में आउट हुए रोहित-विराट

भारत के लिए राहुल और गिल के अलावा रवींद्र जडेजा ने 27, रोहित शर्मा ने 24, विराट कोहली ने 23, नीतीश कुमार रेड्डी ने 20, श्रेयस अय्यर ने आठ और हर्षित राणा ने दो रन बनाए। मोहम्मद सिराज दो रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड के लिए क्रिस्टन क्लार्क ने तीन विकेट झटके, जबकि काइल जैमिसन, जकारी फोक्स, जेडन लोनोक्स को एक-एक सफलता मिली।

श्रेयस अय्यर ने किया बड़ा खुलासा

चोट की गंभीरता से अवगत नहीं थे क्रिकेटर, अस्पताल पहुंचकर हुआ अहसास

राजकोट, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने अपनी हालिया चोट को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान लगी स्प्लीन की चोट की गंभीरता का उन्हें सही अंदाजा तब लगा, जब उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अय्यर ने इस दर्द को बेहद तकलीफदेह बताया और कहा कि उस समय उन्हें यह भी नहीं पता था कि स्प्लीन शरीर का एक अहम अंग होता है।

चोट के बाद श्रेयस अय्यर ने शानदार वापसी की और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में 49 रनों की अहम पारी खेली। दूसरे वनडे से पहले ब्रॉडकास्टर्स से बातचीत में उन्होंने कहा, दर्द बहुत ज्यादा था। मुझे तब तक नहीं पता था कि चोट कितनी गंभीर है, जब तक मैं अस्पताल नहीं पहुंचा। उसी दिन मुझे पता चला कि स्प्लीन एक महत्वपूर्ण अंग है। यह शब्द मैंने उसी दिन सीखा। अय्यर ने बताया कि इस चोट ने उन्हें रुकने और खुद पर ध्यान देने का मौका दिया। उन्होंने कहा, मैं ऐसा इंसान हूं जो एक जगह बैठ नहीं सकता, लेकिन इस चोट ने मुझे सिखाया कि खुद को समय देना कितना जरूरी है। आप तुरंत उठकर ट्रेनिंग शुरू नहीं कर सकते। डॉक्टरों ने कहा था कि 6 से 8 हफ्तों में मैं सामान्य हो जाऊंगा, और मैंने पूरी तरह गाइडलाइंस फॉलो की।

अपनी बल्लेबाजी पर भी की बात

बल्लेबाजी को लेकर अय्यर ने कहा कि उनकी आक्रामकता किसी योजना का हिस्सा नहीं, बल्कि पूरी तरह उनकी प्रवृत्ति है। उन्होंने आगे कहा, मैं मैच में कुछ खास करने की कोशिश नहीं करता। अगर गेंद मेरे एरिया में होती है, तो मैं उसे खेलता हूं। मैं पल में जीना पसंद करता हूं। पिछले मैच में मैं सिंगल लेने के बारे में यादा सोच रहा था, जिससे शरीर की प्रतिक्रिया थोड़ी धीमी हो गई। आगे ऐसा नहीं करना चाहता।

कोहली के साथ तालमेल पर क्या बोले अय्यर?

विराट कोहली के साथ अपनी बातचीत पर अय्यर ने कहा कि दोनों का फोकस वर्तमान में रहने और टीम के लिए मजबूत स्कोर खड़ा करने पर रहता है। उन्होंने कहा, हम मजाकिया अंदाज में बात करते हैं और ये तय करते हैं कि गेंदबाजों के खिलाफ कैसे खेलना है। आज के वनडे क्रिकेट में 300 रन भी आसानी से चेज हो जाते हैं, इसलिए ऐसा स्कोर बनाना जरूरी है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

अशरफ हकीमी, लगा था रेप का आरोप

तलाकशुदा-2 बच्चों के पिता को डेट कर रहीं नोरा फतेही?

बॉलीवुड डीवा नोरा फतेही एक बार फिर अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस का नाम मोरक्को के फुटबॉल स्टार अशरफ हकीमी संग जोड़ा जा रहा है। अफवाहें तब शुरू हुईं जब बॉलीवुड डांसर-एक्ट्रेस अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस का मैच देखने के लिए मोरक्को गईं। इससे पहले नोरा और हकीमी अपना रिश्ता ऑफिशियल करें, मोरक्को के फुटबॉलर को थोड़ा करीब से जान लेते हैं। अशरफ हकीमी पेशेवर फुटबॉलर हैं, जो पेरिस सेंट-जर्मेन और मोरक्को नेशनल टीम के लिए खेलते हैं। वो क्लब की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने पिछले साल चैंपियंस लीग जीती, साथ ही फ्रेंच लीग का टाइटल भी उठाया। PSG से पहले वो बोरुसिया डॉर्टमुंड, इंटर मिलान और रियल मैड्रिड जैसे बड़े क्लब्स में खेल चुके हैं। हकीमी मैड्रिड में पैदा हुए और रियल मैड्रिड अकादमी से निकले, फिर दुनिया के टॉप फुटबॉलर बन गए। हकीमी 27 साल के हैं और उनके माता-पिता मोरक्को के अरब मूल के हैं, जिसकी वजह से उन्होंने मोरक्को टीम चुनी। वो अभी टीम के कप्तान हैं।

शादी और रेप केस

हकीमी 2020 से 2023 तक स्पेनिश एक्ट्रेस हिबा अबूक संग शादीशुदा रिश्ते में थे. उनके दो बच्चे हैं, फिर अबूक ने डिवोर्स फाइल किया. अबूक पर हकीमी की आधी प्रॉपर्टी और दौलत मांगने का आरोप लगा, जो बाद में फेक न्यूज निकली. तलाक के बाद उन पर रेप केस का आरोप भी लग चुका है. ये घटना 2023 में पेरिस में हुई थी. लेकिन हकीमी ने आरोप नकारे हैं और बेगुनाही का दावा किया है. उन्होंने इसे ब्लैकमेल और एक्सटॉर्शन बताया. हालांकि, मामले की जांच अब तक चल रही है. फिलहाल नोरा या हकीमी में से किसी ने भी अब तक रिलेशनशिप पर कोई टिप्पणी नहीं की है. लेकिन दोनों की चुप्पी इनके रिश्ते की गवाही दे रही है. देखते हैं कि एक्ट्रेस फुटबॉलर संग अपना रिश्ता कब ऑफिशियल करती हैं. नोरा और हकीमी की उम्र में 6 साल का फासला है.

‘धुरंधर 2’ में लौटेगा रहमान डकैत! रिवील हुई कहानी?

अक्षय खन्ना की वापसी ने फैंस को किया क्रेजी

आदित्य धर की फिल्म ‘धुरंधर’ की सबसे बड़ी खासियतों में रणवीर सिंह के अलावा अक्षय खन्ना का दमदार किरदार रहमान डकैत का किरदार भी रहा। अक्षय खन्ना ने स्क्रीन पर आते ही ऐसा असर छोड़ा कि दर्शक उनकी मौजूदगी से नजरें नहीं हटा पाए। उनकी मुस्कान, जबरदस्त जॉलाइन, बहरीन के रैपर फ्लिप्पेराची के अरबी गाने ख्व१रु पर किया डांस और उनका जोरदार डेथ सीन- सब कुछ दर्शकों को खूब पसंद आया।

दर्शकों की दुआएं पूरी होती दिख रही हैं, क्योंकि रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय खन्ना ‘धुरंधर 2’ में लौट रहे हैं। फिल्म का पहला पार्ट ही सीक्वल की झलक दिखा देता है, जहां रणवीर सिंह के किरदार जसकीरत सिंह रंगी के अंडरकवर एजेंट हमजा अली मजारि बनने और रहमान डकैत की मौत के बाद ल्यारी में गैंगस्टर के तौर पर उभरने की कहानी दिखाई जाएगी। लेकिन फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे पार्ट में सिर्फ रणवीर की कहानी ही नहीं, बल्कि रहमान डकैत की बैकस्टोरी भी दिखाई जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्षय खन्ना करीब एक हफ्ते की शूटिंग के लिए सेट पर लौटेंगे, ताकि उनके किरदार को और गहराई दी जा सके। जैसे ही यह खबर सोशल मीडिया पर आई, फैंस खुशी से झूम उठे। एक यूजर ने लिखा- बस अक्षय खन्ना सर का स्क्रीन टाइम बढ़ा देना। दूसरे ने लिखा- रहमान डकैत की खतरनाक बैकस्टोरी चाहिए। तो वहीं एक फैन ने मजाकिया अंदाज में कहा- अगर ये खबर सच है तो मजा आ जाएगा, लेकिन अगर फेक निकली तो। धुरंधर 2 में रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना के अलावा अर्जुन रामपाल, आर। माधवन, संजय दत्त और सारा अर्जुन भी नजर आएंगे। फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मेट्रो बाजार

2026 में भारत में बढ़ेंगी नौकरियां, बड़ी टेक कंपनियां ज्यादा भर्ती की बना रही योजना

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के करीब 52 प्रतिशत तकनीकी और बैंकिंग क्षेत्र के कर्मचारियों ने कहा है कि उनकी कंपनियां साल 2026 में भारत में ज्यादा लोगों की भर्ती करने की योजना बना रही हैं। जारी पेशेवरों के लिए बने एक सामुदायिक ऐप %ब्लाइंड% की रिपोर्ट में कहा गया है कि 34 प्रतिशत लोगों को भारत में भर्ती में बड़ी बढ़ोतरी की उम्मीद है, जबकि 18 प्रतिशत लोगों का मानना है कि भर्ती में मध्यम स्तर की बढ़ोतरी होगी। इस सर्वे में अमेरिका और भारत के 2,392 सत्यापित पेशेवरों ने हिस्सा लिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे यह संकेत मिलता है कि गूगल, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, उबर और ईबे जैसी बड़ी ग्लोबल टेक कंपनियां अब भारत को ज्यादा काम सौंप रही हैं। जब लोगों से पूछा गया कि भारत में भर्ती बढ़ने से अमेरिका की नौकरियों पर क्या असर पड़ेगा, तो 38 प्रतिशत लोगों ने कहा कि यह अमेरिका स्थित कुछ पदों की जगह ले रही है, जबकि 23 प्रतिशत लोगों ने कहा कि यह अमेरिकी भर्तियों की पूरक है। रिपोर्ट में बताया गया कि 28 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अमेरिका के एच-1बी वीजा नियमों में सख्ती के कारण कंपनियां भारत में ज्यादा लोगों को नौकरी दे रही हैं, जबकि 25 प्रतिशत लोगों का मानना है कि इन नियमों से कोई खास फर्क नहीं पड़ा है।

भारत में दिसंबर में थोक महंगाई दर बढ़कर हुई 0.83 प्रतिशत, खाने की चीजों के नहीं बढ़े दाम

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, थोक कीमतों पर आधारित भारत की महंगाई दर दिसंबर 2025 में 0.83 प्रतिशत रही। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से विनिर्मित वस्तुओं (मैन्यूफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स) और खनिजों की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण हुई है। दिसंबर में खाने-पीने की चीजों की थोक कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई, इसलिए खाद्य महंगाई दर शून्य प्रतिशत रही। इसका मतलब है कि पिछले साल की तुलना में खाने की चीजें महंगी नहीं हुईं।

थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) में सबसे बड़ा हिस्सा रखने वाले विनिर्मित वस्तुओं के समूह की हिस्सेदारी 64.23 प्रतिशत है, जिसकी कीमतों में दिसंबर में 0.41 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस समूह के 22 उत्पादों में से 13 की कीमतें बढ़ीं, 8 उत्पादों की कीमतें घटीं और एक की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ। दिसंबर में जिन वस्तुओं की कीमतें बढ़ीं, उनमें मूल धातुएं, रसायन और रासायनिक उत्पाद, वस्त्र और अन्य गैर-धातु खनिज उत्पाद शामिल हैं। वहीं, रबर और प्लास्टिक उत्पाद, खाद्य उत्पाद, कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक सामान, कागज और पेय पदार्थों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। नवंबर 2025 में थोक महंगाई दर शून्य से नीचे (-0.32 प्रतिशत) थी। इससे पहले अक्टूबर में यह -1.21 प्रतिशत रही थी, जबकि पिछले साल नवंबर में यह 2.16 प्रतिशत थी। दिसंबर 2025 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई दर 1.33 प्रतिशत रही, जो नवंबर के 0.71 प्रतिशत से थोड़ी ज्यादा है। दिसंबर में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) -2.71 प्रतिशत रही, यानी खाने की चीजों की कीमतें पिछले साल की तुलना में कम रहीं।

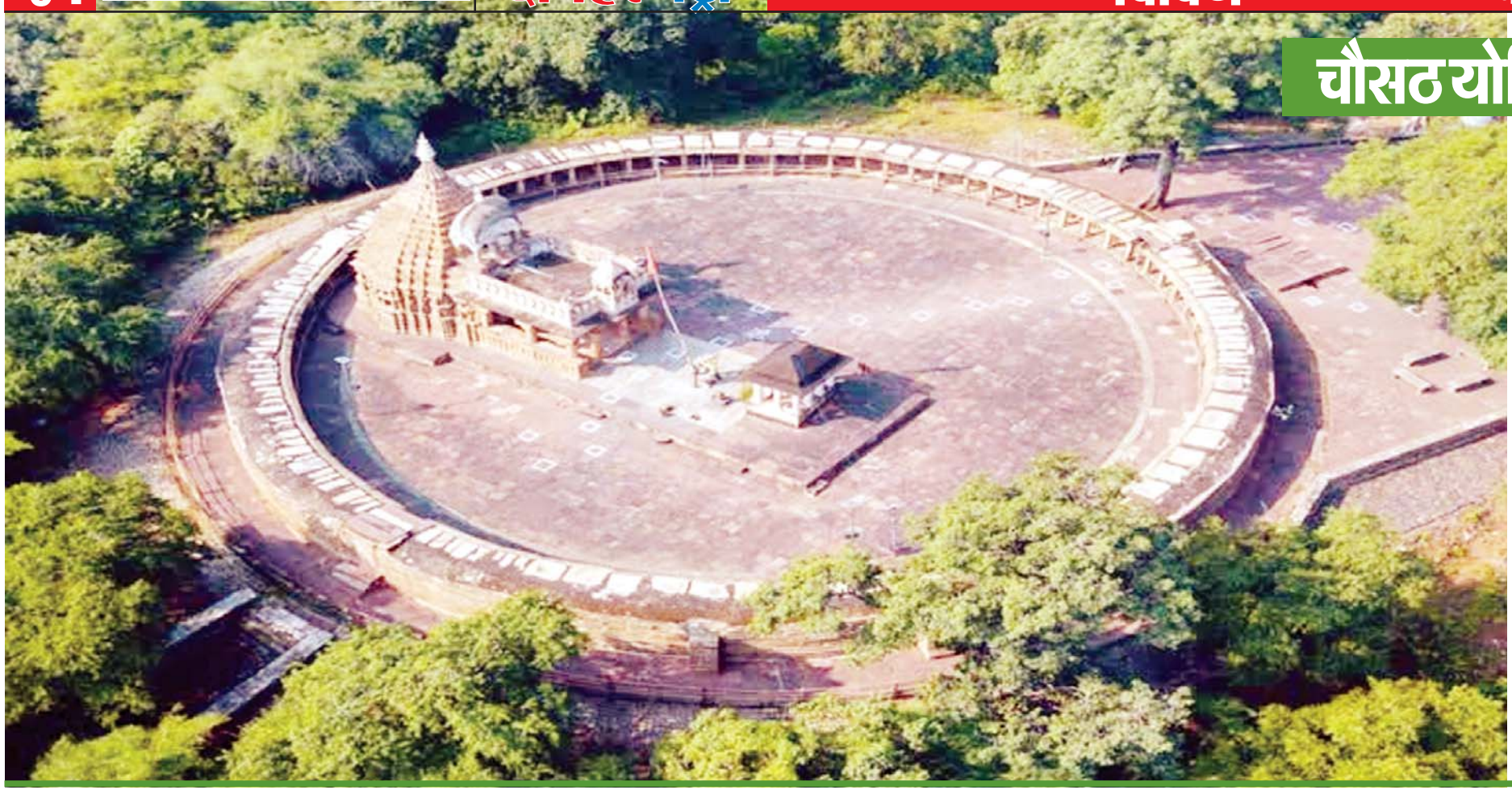

चौसठ योगिनी मंदिर

114 अतिक्रमण 10 दिन में खाली करने के निर्देश

जबलपुर। भेड़ाघाट के प्रसिद्ध चौसठ योगिनी मंदिर से आसपास बढ़ते अतिक्रमण पर हाईकोर्ट ने नाराजगी बयां की और इन्हें हटाने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट के आदेश पर जिला प्रशासन ने सक्रियता दिखाते हुए भेड़ाघाट नगर परिषद को निर्देशित किया कि वे मंदिर के 100 मीटर दायरे में आने वाले सभी अतिक्रमण का सर्वे कर, इन्हें हटाए। नगर परिषद ने 100 मीटर की परिसीमा में करीब 114 अतिक्रमण आ रहे हैं। इनमें लगभग 100 घर हैं और 10 दुकान व चार होटलें भी शामिल हैं।इतना ही नहीं चार होटलों में से एक एमपी टूरिज्म की होटल का भी कुछ हिस्सा है। नगर परिषद प्रशासन ने सभी अतिक्रमणकारियों को नोटिस थमा दिया है और 10 दिन का समय दिया है। इस समयावधि के भीतर खुद से अतिक्रमण हटाने है और ऐसा न करने पर प्रशासन बलपूर्वक हटाया जाएगा।

न्यूज विंडो

रामलला ने भी मनाया मकर संक्रांति का पर्व, अर्पित की गई पतंग

अयोध्या। राम नगरी में मकर संक्रांति का पर्व भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। भोर से ही श्रद्धालुओं ने सरयू नदी में आस्था की डुबकी लगाई और तिल, गुड़, वस्त्र व अन्न का दान कर पुण्य अर्जित किया। ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। सरयू तट पर सुबह 4:00 से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुट गई।राम मंदिर में मकर संक्रांति के अवसर पर विशेष पूजन-अर्चन किया गया। इस दौरान भक्तों की ओर से रामलला को पतंग भेंट कर पर्व की परंपरा को साकार किया गया। मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा संपन्न हुई, वहीं जय श्रीराम के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस दौरान विशेष तरह का भोग अर्पित किया गया।

फिर टूटी थलापति विजय की उम्मीदें, कोर्ट से मिला बड़ा झटका

नई दिल्ली। विजय की तमिल फिल्म 'जन नायकन' उनके फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म है। लेकिन फिल्म को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। फिल्म की रिलीज लगातार टल रही है। पहले सेंसर बोर्ड से उन्हें सर्टिफिकेट नहीं मिला और फिर मामला कोर्ट में जा पहुंचा। हाई कोर्ट में राहत नहीं मिलने के बाद विजय ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जिसकी सुनवाई आज हुई है और उन्हें सुप्रीम कोर्ट से भी बड़ा झटका लगा है।कोर्ट ने उन्हें कोई राहत देने से मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मामला 20 जनवरी को सुनवाई के लिए हाई कोर्ट में लिस्टेड है और निर्देश दिया कि उसी दिन इस पर फैसला सुनाया जाए। याचिका में फिल्म को 'ए' सर्टिफिकेट देने के फैसले को चुनौती दी गई थी। यह आदेश जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ए जी मसीह की बेंच ने दिया है। ऐसे में अब अगली सुनवाई में ही कोई फैसला सामने आएगा। बता दें, पहले 19 जनवरी को सुनवाई होनी थी और फिर तय हुआ कि इस मामले में सुनवाई 15 जनवरी को ही होगी।

पाकिस्तान में भारतीय सिख महिला सरबजीत कौर गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान यात्रा के दौरान नवंबर में एक स्थानीय मुस्लिम से शादी करने वाली भारतीय सिख महिला को गिरफ्तार कर लाहौर के एक सरकारी आश्रय गृह में भेज दिया गया। पंजाब सरकार के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरबजीत कौर (48) उन 2,000 सिख तीर्थयात्रियों में शामिल थीं, जिन्होंने गुरु नानक जयंती से संबंधित समारोहों में भाग लेने के लिए पिछले साल नवंबर में भारत से वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में प्रवेश किया था। कुछ दिनों बाद तीर्थयात्री वतन लौट गए, लेकिन कौर लापता हो गईं। लाहौर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बाद में बताया कि कौर ने पाकिस्तान पहुंचने के एक दिन बाद चार नवंबर को लाहौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर शेखूपुरा जिले के नासिर हुसैन से शादी कर ली।बाद में, कौर और हुसैन ने लाहौर उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर शिकायत की कि पुलिस ने शेखूपुरा के फारूकाबाद स्थित उनके घर पर अवैध रूप से छापा मारा और उन पर शादी खत्म करने के लिए दबाव डाला। लाहौर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश फारूक हैदर ने पुलिस को आदेश दिया कि वे दंपति को प्रताड़ित करना बंद करे।

जयपुर में पहली बार 78वें सेना दिवस पर आर्मी एरिया के बाहर हुई परेड

भैरव बटालियन, ब्रह्मोस मिसाइल, रोबोट डॉग्स... दुनिया ने देखी भारत की ताकत

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान के जयपुर में पहली बार 78वें सेना दिवस पर आर्मी एरिया के बाहर परेड हुई है। जयपुर के जगतपुरा स्थित महल रोड जवानों की टुकड़ियां देखने को मिलीं।

आर्मी डे पर सुबह 10 बजे से शुरू हुई ये परेड 11:25 बजे तक चली, जिसे देखने के लिए लोग तड़के सुबह ही पहुंच गए थे। परेड के लिए रजिस्ट्रेशन करने वाले लोगों की एंट्री सुबह 8:45 बजे बंद कर दी गई थी।डेढ़ लाख से ज्यादा लोग इस परेड के साक्षी बने। लोगों की भीड़ को देखते हुए जयपुर प्रशासन ने 18 जगहों पर पार्किंग का इंतजाम किया गया था। परेड स्थल पर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। जयपुर में भारी संख्या में सेना के जवान और पुलिसकर्मी तैनात हैं। डॉग स्क्वाड और मेटल डिटेक्टर से पूरे परेड मार्ग की बारीकी से जांच की गई। चप्पे-चप्पे पर पुलिस ने पैनी नजर रखी थी।

परेड के दौरान ऑपरेशन सिंदूर की भी धूम देखने को मिली। ऑपरेशन सिंदूर में बलिदान हुए जवानों इस दौरान गैलेंट्री अवॉर्ड से सम्मानित आर्मी अफसरों ने सलामी दी। वहीं, परेड की अगुवाई अशोक चक्र, परमवीर चक्र, कीर्ति चक्र और महावीर चक्र से सम्मानित अधिकारी कर रहे थे। जयपुर की आर्मी डे परेड में 7 रेजिमेंट की टुकड़ियां शामिल हुई थीं। इस लिस्ट में 61वीं कैवेलरी रेजिमेंट का नाम भी शामिल है, जो दुनिया की एकमात्र एक्टिव घुड़सवार रेजिमेंट है। 1954 में स्थापित नेपाल आर्मी बैंड ने भी सेना दिवस की परेड में हिस्सा लिया। खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह समेत सेना के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भी परेड में शिरकत की। जयपुर की इस परेड में नवनिर्मित भैरव बटालियन भी देखने मिली। भैरव बटालियन को पैरा स्पेशल फोर्स और पैदल बटालियन के बीच में रखा गया था। भैरव बटालियन की ये पहली सार्वजनिक परेड थी।

प्रधानमंत्री बोले- भारतीय सेना के जवान निस्वार्थ सेवा-राष्ट्र रक्षा के प्रतीक

नई दिल्ली। सेना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय सेना की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है और सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अटूट संकल्प के साथ देश की सुरक्षा करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र उनकी वीरता और दृढ़ प्रतिबद्धता को नमन करता है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे सैनिक निस्वार्थ सेवा के प्रतीक हैं, जो सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की रक्षा करते हैं। कर्तव्य के प्रति उनकी भावना पूरे देश में विश्वास और कृतज्ञता की भावना जगाती है। मोदी ने कहा कि देश उन लोगों को गहरे सम्मान के साथ याद करता है जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी।

मोहन भागवत ने नागपुर में किया मतदान, NOTA पर बोले-

किसी को भी वोट नहीं देने से बेहतर है कि किसी को वोट दिया जाए...

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सुबह नागपुर महानगरपालिका चुनाव में अपना मतदान किया। भागवत ने मतदान के बाद कहा, 'चुनाव लोकतंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा है और इसलिए मतदान करना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। जनहित को ध्यान में रखते हुए सभी लोग चुनाव के दौरान एक योग्य उम्मीदवार को ही वोट दें। इसलिए, आज मैंने सबसे पहला काम यह किया कि वोट डाला।' NOTA विकल्प पर बोलते हुए उन्होंने कहा, 'नोटा का मतलब है कि आप सभी को अस्वीकार करते हैं और ऐसा करके हम एक ऐसे व्यक्ति को बढ़ावा देते हैं जिसे कोई नहीं चाहता।' उन्होंने आगे कहा कि 'NOTA' लोगों को अपनी असहमति व्यक्त करने का एक विकल्प देता है लेकिन किसी को भी वोट नहीं देने से बेहतर है कि किसी को वोट दिया जाए।

पुलिस और लॉरेंस गैंग के शूटर्स के बीच मुठभेड़, एक के पैर में लगी गोली, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्यों के बीच सुबह मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने गैंग के दो शूटर्स को गिरफ्तार किया है। यह दोनों शूटर दिल्ली के पश्चिम विहार और विनोद नगर इलाकों में हुई गोलीबारी की घटनाओं में शामिल थे।मुठभेड़ के दौरान एक शूटर के पैर में गोली लगी है, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, दूसरा शूटर नाबालिग बताया जा रहा है। पुलिस ने दोनों से पूछताछ शुरू कर दी है और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। यह गिरफ्तारी दिल्ली में अपराध पर लगाम लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली में गलन वाली ठंड

कोहरे का कहर, विजिबिलिटी बेहद कम, कई फ्लाइट्स लेट

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में आज सुबह घने से बहुत घने कोहरे ने राजधानी को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया है। अक्षरधाम मंदिर सहित शहर के कई हिस्सों में सफेद चादर बिछी हुई नजर आ रही है। जिससे दृश्यता काफी कम हो गई है।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कोहरे के चलते कम विजिबिलिटी के कारण कई उड़ानें विलंबित हो रही हैं। एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी फ्लाइट्स की लेटेस्ट जानकारी चेक करें। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, दर्जनों फ्लाइट्स पर असर पड़ा है, हालांकि ऑपरेशंस सीएटी लो विजिबिलिटी प्रोसीजर के तहत चल रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर में धूप निकलने के बावजूद गलन वाली ठंड जारी है। बुधवार सुबह 8:30 बजे दिल्ली में न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

श्रीनगर में पारा -5.2 डिग्री उत्तराखंड में स्कूल बंद

उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी जारी है। कश्मीर में न्यूनतम तापमान पिछले कई दिनों से शून्य से नीचे है। इसके कारण बुधवार को प्रसिद्ध डल झील और कश्मीर के कई जल स्त्रोत जम गए। श्रीनगर में रात न्यूनतम तापमान -5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर, राजस्थान में भी तापमान माइनस में पहुंच गया है। हिल स्टेशन माउंट आबू में तापमान माइनस 3 डिग्री रहा। उधर उत्तराखंड के दो जिलों में ठंड को देखते हुए स्कूल बंद कर दिए गए है।

ईडी ऑफिस पर रांची पुलिस का धावा, क्लर्क से मारपीट का आरोप

रांची, एजेंसी

रांची में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दफ्तर में मारपीट के आरोपों के बाद मामला गरमा गया है। गुरुवार सुबह रांची पुलिस की एक टीम एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी ऑफिस पहुंची और जांच शुरू की। ईडी दफ्तर के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। पेयजल विभाग के क्लर्क संतोष कुमार ने आरोप लगाया है कि ईडी के सहायक निदेशक प्रतीक और उनके सहायक शुभम ने उन्हें ऑफिस बुलाकर मारपीट की, सिर फोड़ा और सबूत मिटाने की कोशिश की। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।वहीं ईडी के वरिष्ठ सूत्रों ने इन आरोपों को साजिश बताया है। ईडी का कहना है कि संतोष कुमार को समन नहीं भेजा गया था। पूछताछ के दौरान उसने खुद शीशे की बोतल से अपने सिर पर चोट की। इसके बाद अधिकारियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। इलाज के बाद उसने बीपी और हाइपरटेंशन की बात लिखित रूप में दी। ईडी ने इस मामले में हाईकोर्ट जाने की बात कही है।इस बीच बीजेपी के वरिष्ठ नेता बाबू लाल मरांडी ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि ईडी के पास पुलिस-प्रशासन से जुड़े हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार मामलों से संबंधित महत्वपूर्ण साक्ष्य मौजूद हैं।

मेट्रो एंकर

बिहार के सुपौल जिले के बेहद गरीब परिवार के मनोज की कहानी बनी मिसाल

पहले बेचते थे अंडे, फिर यूपीएससी पास कर बने अफसर

पटना, एजेंसी

बिहार के सुपौल जिले के एक बेहद गरीब परिवार में जन्मे मनोज कुमार रॉय के संघर्ष की कहानी एक प्रेरणा है। हालात ऐसे थे कि पढ़ाई एक जंग जैसी थी और पेट भरना ही प्राथमिकता थी, लेकिन मनोज ने हालात को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। अंडे बेचने वाले ठेले से लेकर देश की प्रतिष्ठित सेवा में अधिकारी बनने तक का उनका सफर आज हजारों युवाओं के लिए उम्मीद की मिसाल बन चुका है। मनोज कुमार रॉय का बचपन अभावों में बीता, गांव का सरकारी स्कूल, शिक्षकों की भारी कमी और फटी पुरानी किताबें और पढ़ाई का माहौल नाम मात्र का था। परिवार इतना गरीब था कि माता-पिता चाहते थे बेटा जल्दी नौकरी कर ले ताकि घर का खर्च चल सके। इसी मजबूरी ने साल 1996 में मनोज को दिल्ली की ओर धकेल दिया, लेकिन महानगर ने उनका स्वागत संघर्ष से किया। नौकरी नहीं मिली तो मनोज ने हार नहीं मानी। उन्होंने अंडे और सब्जियों की रेहड़ी लगाई और छह में राशन सप्लाई का छोटा काम किया। इसी कठिन दौर में उनके भीतर एक नया आत्मविश्वास पैदा हुआ और यहीं से उनकी जिंदगी की दिशा बदलने लगी।

मनोज बचपन से पढ़ाई में उज्जवल विद्यार्थी थे, लेकिन उनके गांव के सरकारी स्कूल में शिक्षकों की कमी और फटी पुरानी किताबें पढ़ाई का माहौल खराब करती थीं। परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि माता-पिता चाहते थे कि मनोज पढ़ाई छोड़ जल्दी नौकरी कर घर का खर्च उठाएं। इसी वजह से साल 1996 में नौकरी की तलाश में मनोज गांव छोड़कर दिल्ली पहुंच गए। मगर जमीनी सच्चाई तो यह कि यह बड़ा शहर उनके लिए चुनौती से भरा था। नौकरी नहीं मिलने पर मनोज ने हार नहीं मानी। उन्होंने खुद परिश्रम करके रोज़ी कमाने का रास्ता ढूंढा और अंडे और सब्जियों की दुकान (रेहड़ी) लगाई। साथ ही जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (छह) में राशन सप्लाई करने का छोटा काम भी मिला जो उनकी रोज़ाना की आमदनी का एक जरिया बना. इसी दौरान उनके जीवन में बदलते हुए समय की पहली किरण दिखी।

मिल गया प्रेरणा का प्रेरक मित्र

JNU में काम करते समय मनोज की मुलाकात एक ऐसे दोस्त उदय कुमार से हुई जो बिहार के सुपौल का ही रहने वाला था। उदय ने मनोज को पढ़ाई पूरी करने और UPSC सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने की सलाह दी। शुरुआत में मनोज हिचकिचाए, क्योंकि आर्थिक हालत ठीक नहीं थी, लेकिन अपने दोस्त के समर्थन और प्रोत्साहन से उन्होंने ठान लिया कि वे पढ़ाई जारी रखेंगे और परीक्षा की तैयारी करेंगे। इसके बाद एक अन्य दोस्त ने 2001 में उन्हें पटना यूनिवर्सिटी के भूगोल विभाग के पीएचडी प्रोफेसर रास बिहारी प्रसाद सिंह से मिलाया, जिनसे मिलने के बाद मनोज ने पटना जाकर भूगोल को PSC की वैकल्पिक विषय के रूप में चुन लिया। इस प्रकार उन्होंने पढ़ाई के लिए पटना का रुख किया और तैयारी शुरू की।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564